जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, बुधवार 26 मार्च, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव

राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

दिनांक - **26 मार्च, 2025** | समय - **प्रात: 10:30 बजे**

स्थान - **स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर**

30 हजार किसानों को
137 करोड़ रुपए अनुदान की स्वीकृति

किसान उत्पादक संगठन
(एफपीओ) के मेले का शुभारम्भ

योजनाओं के दिशा निर्देश

पॉली हाउस, सौर पम्प, कृषि उपकरण, प्याज भण्डारण, मधुमक्खी पालन इत्यादि हेतु 12 योजनाएं

बैल से खेती प्रोत्साहित करने हेतु योजना

किसान सम्मान निधि की राशि में 1,000 रुपए की वृद्धि

मंगला पशु बीमा योजना में पशुओं की संख्या दोगुनी

पशुधन स्वास्थ्य हेतु नि:शुल्क औषधियों व टीकों की संख्या 138 से बढ़ाकर 200

मुख्यमंत्री थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम

राजस्थान संवाद

सशक्त किसान - समृद्ध राजस्थान

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

संस्कृति का वज़ूद उसकी भाषा के बिना नहीं हो सकता। संस्कृति और भाषा का आपस में अटूट नाता होता है। इसलिए किसी भी संस्कृति के गौरव में उसकी भाषा का महत्व निहित होता है। –अज्ञात

मातृभाषा की संवैधानिक मान्यता बिना कैसा राजस्थान दिवस!

आती 30 मार्च को प्रतिवर्ष की भांति राजस्थान दिवस मनाया जायेगा। इस मौके राज्य सरकार ने पांच दिन चलने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम बनाये हैं। प्रदेश के शासन में बैठे सभी राजनेता इस प्रदेश की संस्कृति पर इतरायेंगे, भाषण देंगे, देशी-विदेशी पांवणों के सामने नाच-गाने करवाएंगे, मगर वे यहां के लोगों की मातृभाषा की संवैधानिक मान्यता के बारे में कुछ नहीं बोलेंगे। प्रतिस्पर्धी चुनावी राजनीति के फंदों में फंसे रहने वाले हमारे प्रतिनिधियों को खयाल ही नहीं है कि किसी भी संस्कृति का वज़ूद उसकी भाषा के बिना नहीं हो सकता। संस्कृति और भाषा का आपस में अटूट नाता होता है। इसलिए किसी भी संस्कृति के गौरव में उसकी भाषा का महत्व निहित होता है। भाषा सिर्फ़ संवाद का माध्यम ही नहीं होती, वह संस्कृति का प्रमाण भी होती है। किसी विद्वान ने कहा है कि–"यदि संस्कृति एक घर है, तो भाषा उसके सामने के दरवाजे की तथा अंदर के सभी कमरों की कुंजी है।" किसी भी समाज को अनिवार्यत: अपनी भाषा में रहना होता है, अन्यथा उसकी पहचान कुंठित हो जाती है और वह छिन्न-भिन्न हो जाता है। अपनी मातृभाषा को बचाए रखना किसी भी समाज के लिए उसके अस्तित्व का प्रश्न होता है। इसलिए राजस्थान दिवस के सांस्कृतिक आयोजनों के शासकीय आयोजक राजस्थानी भाषा की संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिए कुछ ठोस करें इसकी अपेक्षा भले ही अन्य स्थानों से आकर इस प्रदेश में बस गये लोग न करें किन्तु यहां के मूल वाशिंदों की यह कामना तो होगी ही। 'एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका' के अनुसार भाषा के माध्यम से मानव, एक सामाजिक समूह के सदस्य और उसकी संस्कृति में भागीदार के रूप में, स्वयं को अभिव्यक्त करता है। अपनी पुस्तक 'द राइज ऑफ इंग्लिश: ग्लोबल पॉलिटिक्स एंड द पावर ऑफ लैंग्वेज' में रोज़मेरी सलोमोने ने बताया है: "दुनिया की प्रमुख भाषा अंग्रेजी दुनिया भर में नए सांस्कृतिक और वर्गीय दाग पैदा करती है, और वैश्वीकरण की प्रकृति को ही प्रतिबिंबित करती है"। ऐसा ही भारत में हिन्दी के लिए कहा जा सकता है। कैसी विडंबना है कि राजस्थानी संस्कृति को तो स्वीकार किया जाता है मगर राजस्थानी भाषा को मान्यता देने में आनाकानी की जाती है। राजस्थानी संस्कृति के साथ उसकी भाषा अपरिहार्य हैं। यदि राजस्थानी भाषा को मान्यता के लिए राज में बैठे लोग कदम नहीं उठाते है तो यही माना जाएगा कि राजस्थानी संस्कृति का गुणगान वे सिर्फ दिखावे के लिए करते हैं। हमारा एक बड़ा भारतीय समाज है। लेकिन यह भी सच है कि वृहद भारतीय समाज के भीतर अनेक समाज हैं जिनकी अपनी पहचानें हैं जिनमें उनकी भाषाई पहचान भी एक है। राजस्थान के लोगों की अपनी मातृभाषा की मान्यता की जद्दोजहद इसी सांस्कृतिक पहचान बनाये रखने की है।

वर्ष 1949 की 30 मार्च को गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने रियासतों के विलय के बाद बने नये राज्य 'राजस्थान' का जयपुर में उद्घाटन किया था। तब इस राज्य की भाषा राजस्थानी थी। मगर यहां के तत्कालीन नेतृत्व नेदेश की एकता के हित में हिन्दी का साथ इस आशा के साथ दिया था कि सदियों से चली आ रही राजस्थानी भाषा भी आदर और अपना हक़ पाती रहेगी। भारत संघ के संवैधानिक इकाई बनने के बाद 1951 में हुई पहली जनगणना के अधिकृत आंकड़े राजस्थानी भाषा की कहानी खुद कहते हैं। उस जनगणना में भाषा के बारे में दो सवाल पूछे गये थे आपकी मातृभाषा कौनसी है और आप अपनी मातृभाषा के अलावा और कौन सी भारतीय भाषा जानते हैं। इस जनगणना में राजस्थान की 69. 84 प्रतिशत तथा अजमेर की 75.20 प्रतिशत आबादी की भाषा राजस्थानी पाई गई। हिन्दी को राजस्थान के केवल 21.98 प्रतिशत लोगों ने अपनी भाषा बताया जबकि अजमेर के मात्र 15.40 प्रतिशत लोगों ने हिन्दी को अपनी मातृभाषा बताया। जनगणना में भाषा और बोली के आंकड़ों का भी विश्लेषण किया गया। नये बने प्रदेश की भाषा को राजस्थानी बताते हुए उसकी 17 बोलियां बताई गई जबकि हिन्दी की पांच बोलियां बताई गई। यानि राजस्थानी हिन्दी से अधिक समृद्ध थी। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाएं शामिल की हुई है, लेकिन राजस्थानी भाषा के साथ दुभांत की गई है। के. डेविड हैरिसन ध्यान में लाये थे कि जब कोई भाषा मर जाती है तो क्या खो जाता है? किसी भाषा की संरचना और शब्दावली में किस प्रकार का ज्ञान अंतर्निहित होता है और उसका खोना मानवता के लिए कितना हानिकारक होता है! मातृभाषाएं ज्ञान की व्यापक और जटिल प्रणालियां होती हैं जो सहस्त्राब्दियों से विकसित हुई होती हैं। वे स्थानीय लोगों की पहचान, उनकी संस्कृतियों, विश्वदृष्टि और दृष्टिकोणों के संरक्षण और आत्मनिर्णय की अभिव्यक्ति के लिए प्रमुख होती हैं। जब मातृभाषाएं खतरे में आती हैं, तो देशी लोग भी खतरे में पड़ जाते हैं। भाषा किसी एक व्यक्ति या एक काल की रचना नहीं होती है, बल्कि यह एक संस्था होती है, जिस पर सैकड़ों पीढ़ियों और अनगिनत लोगों ने व्यक्तिगत तौर पर काम किया होता है। यह कहना कि राजस्थानी की इतनी बोलियां है इसलिए वह भाषा का दर्जा नहीं पा सकती इससे दुर्भाग्यपूर्ण बात कोई नहीं हो सकती। अंग्रेजी की कितनी बोलियां हैं? और अब भी विकसित हो रही हिन्दी की खुद की कितनी बोलियां हैं?

राजस्थानी को मान्यता न देना यहां के बच्चों के अधिकार का भी हनन भी है। संविधान का निर्देश है कि प्रत्येक बालक का अधिकार है कि वह अपनी मातृभाषा में प्रारम्भिक शिक्षा पाये। दुर्भाग्य से नयी शिक्षा नीति राजस्थानियों की भाषा हिन्दी मानते हुए राजस्थानी में प्रारम्भिक शिक्षा का निषेध करती है। राजस्थान के ग्रामीण इलाकों के बच्चे इसलिए पिछड़ रहे हैं क्योंकि उनकी प्राथमिक शिक्षा उनकी मातृभाषा में न होकर उनके लिए अजनबी हिन्दी में होती है। इससे कोई भी इनकार नहीं कर सकता कि राजस्थानी भाषा इस प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और इतिहास से जुड़ी हुई है। यह भाषा लोकगीतों, कविताओं, और परंपराओं में गहरे से समाहित है।

क्षेत्रीय या स्थानीय भाषा हमेशा उस क्षेत्रीय संस्कृति की विशेषताओं को दर्शाती है। इसलिए राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता की मांग का मतलब चंद सरकारी नौकरियां पाना नहीं है, बल्कि राजस्थानी संस्कृति की प्रतिष्ठा की मांग है। भाषा सांस्कृतिक विरासत का एक संवेदनशील पहलू होती है। मातृभाषा का उपयोग सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा में मदद करता है और उनकी पारंपरिक विरासत को सुरक्षित रखता है। समझने की बात ये है कि राजस्थान के विभिन्न भूभागों की बोलियां, परंपराएं, मूल्य और आदर्श सब मिलकर इस प्रदेश के लोगों को उनकी परिभाषा देते हैं। ये परिभाषा इस रंगीले प्रदेश को आकार देती है जो विविधता और एकता का अत्यंत ही सुंदर उदाहरण है, उसी तरह जिस प्रकार हमारा देश भारत है। यह जान कर किसी को अचरज नहीं होना चाहिए कि राजस्थानी सांस्कृतिक समाज में पिछले सैकड़ों वर्षों से भारतीय संविधान के सभी मूल तत्व पाये जाते रहे हैं। राजस्थानी भाषा को मान्यता न देना यहां के रीति-रिवाजों, ज्ञान, विरासत और पूर्वजों की यादों को विस्मृत करना है। राजस्थानी को मान्यता न देना यहां के बच्चों के अधिकार का भी हनन भी है। संविधान का निर्देश है कि प्रत्येक बालक का अधिकार है कि वह अपनी मातृभाषा में प्रारम्भिक शिक्षा पाये। दुर्भाग्य से नयी शिक्षा नीति राजस्थानियों की भाषा हिन्दी मानते हुए राजस्थानी में प्रारम्भिक शिक्षा का निषेध करती है। राजस्थान के ग्रामीण इलाकों के बच्चे इसलिए पिछड़ रहे हैं क्योंकि उनकी प्राथमिक शिक्षा उनकी मातृभाषा में न होकर उनके लिए अजनबी हिन्दी में होती है। इससे कोई भी इनकार नहीं कर सकता कि राजस्थानी भाषा इस प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और इतिहास से जुड़ी हुई है। यह भाषा लोकगीतों, कविताओं, और परंपराओं में गहरे से समाहित है। जो भी लोककला, नृत्य, संगीत या साहित्य है, उसका आधार राजस्थानी भाषा है। इस भाषा की हजार साल से अधिक की समृद्ध साहित्यिक परंपरा को दुनिया भर के भाषा विज्ञानी मान चुके हैं। इसका साहित्य भारतीय साहित्य जगत में एक अनमोल धरोहर मानी जाती हैं। राजस्थानी भाषा में रचा गया विशाल भक्ति काव्य इस प्रदेश की सीमाओं के पार दूर-दूर तक जाकर लोकप्रिय हुआ है। राजस्थानी भाषा इस प्रदेश की पहचान है। यहां के लोगों का अपनी स्थानीय संस्कृति और पहचान को मजबूत करना चाहना स्वाभाविक है। राजस्थानी भाषा के साहित्य ने राष्ट्रीय एकता के निर्माण जितना योगदान किया है उस पर राजस्थान के लोग स्वाभाविक ही गर्व कर सकते हैं। राजस्थान के वणिक देश के कोने-कोने में व्यापार करने गये और वहां के जीवन में घुल-मिल गये। व्यापारिक लेन-देन, बाजारों में इस भाषा ने अपनी भूमिका निबाही है, जिससे आर्थिक और सामाजिक संबंध ही मजबूत नहीं हुए हैं देश की एकता भी मजबूत हुई है। राजस्थानी भाषा का विरोध मुख्य रूप से कुछ राजनीतिक और सामाजिक कारणों से होता है। इसके विरोध करने वाले लोग इसे हिन्दी के विरुद्ध बताने की बेजा बात करते हैं। राजस्थानी को मान्यता की मांग हिन्दी का विरोध नहीं है। मगर हिन्दी के समर्थन के लबादे में छुप कर अनेक लोग राजस्थानी भाषा के विरोध में उतर कर विघटन की राजनीति करते हैं। वे यह कह कर अपने अज्ञान का ही परिचय देते हैं कि राजस्थानी हिन्दी का ही विकृत रूप है। राजस्थान में हिंदी प्रमुख रूप से उपयोग में ली जाती है, मगर उसका अंग्रेजी के सामने क्या हाल है वह किसी से छुपा नहीं है। राजस्थानी भाषा की मान्यता की मांग हिंदी को प्रतिस्थापित करने का प्रयास नहीं है। राजस्थानी को मान्यता मिलने से हिंदी या अंग्रेजी की महत्ता कम नहीं हो जाती। वर्तमान युग परिवर्तन का युग है। हमारे खान-पान का परिदृश्य कल जैसा नहीं है, और कल भी वैसा नहीं रहेगा जैसा आज है। इस बदलते परिदृश्य में व्यक्ति के व्यक्तित्व और अभिव्यक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यहीं पर मातृभाषा की अहमियत सामने आती है। प्रदेश में राजस्थानी भाषा की अकादमी है, विश्वविद्यालय में यह भाषा पढ़ाई जाती है, आकाशवाणी और दूरदर्शन में रोज राजस्थानी के समाचार बुलेटिन प्रसारित होते हैं, राजस्थानी की पत्र-पत्रिकाएं निकलती हैं और केन्द्रीय साहित्य अकादमी इस भाषा को मानती है फिर भी दुर्भाग्य से यह भाषा संवैधानिक मान्यता से वंचित है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि एक नये जीवन का आरंभ है : बागड़े

- राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय का 14वां दीक्षांत समारोह आयोजित
- दीक्षांत समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों में 9521 उपाधियां प्रदान की गई

कोटा, (निसं)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा 14वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को केडीए ऑडिटोरियम, कोटा में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने की। सम्मानित अतिथि के रूप में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.रमा शंकर दुबे उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने विद्यार्थियों को डिग्रियां और स्वर्ण पदक प्रदान किए एवं दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय और सभी छात्र-छात्राओं को बधाई व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान की। कुलसचिव भावना शर्मा ने 14वें दीक्षांत समारोह के समाप्ति पर विश्वविद्यालय की ओर से धन्यवाद ज्ञापन प्रदान किया।

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में उपाधियां प्रदान की।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने दीक्षांत भाषण प्रदान करते हुए कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं बल्कि आपके एक नये जीवन का आरंभ है। यह वह समय है जब आप अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज व देश के प्रति समर्पित कर जनकल्याण हेतु करने के लिए तैयार हुए हैं। तकनीक शिक्षा की पहली आवश्यकता यह है कि हम जो भी बात कहें, तर्क से कहें। भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी में बहुत अग्रणी रहा है। तकनीकी शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, यह नवाचार, अनुसंधान और व्यावहारिक ज्ञान का संगम है। नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर आधारित है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि तकनीकी तथा विशिष्ट ज्ञान के क्षेत्रों के भी पाठ्यक्रम यहां अंग्रेजी के साथ हिन्दी में भी विकसित करें। स्थानीय ज्ञान-विज्ञान से संबंधित शोध एवं अनुसंधान को भी अधिकाधिक मातृभाषाओं में लाने के प्रयास शिक्षण संस्थान करें।

दिक्षांत समारोह में कुलपति प्रो.रमा शंकर दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2006 में स्थापित राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय ने एक समृद्ध विरासत और गौरवशाली इतिहास बनाया है। इसके प्रत्यायन पाठ्यक्रम प्रदेश में तकनीकी शिक्षा की उच्च गुणवत्ता के प्रमाण हैं। उन्होंने युवाओं को देश और समाज के प्रति अपनी सामाजिक दाइत्वों के निर्वहन का सन्देश देते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी सामाजिक बदलाव के पथ प्रदर्शक हैं, हम सफलता के पाँच मार्गदर्शक सिद्धांत मंत्र नवोन्मेषी विचारों से भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कुलपति प्रो.एसके सिंह ने समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े के आगमन एवं सानिध्य के लिए विश्वविद्यालय परिवार के ओर से हार्दिक आभार प्रकट किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय का प्रगति विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों का विकास एवं छात्रों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा को रोजगारपरक एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने हेतु लगातार प्रयास कर रहा है, जिससे राज्य के शिक्षक एवं छात्र तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में सम्पूर्ण भारत ही नहीं वरन् विश्वपटल पर अपनी पहचान कायम कर सकें। उन्होंने डिग्री तथा स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को बधाई व शुभकामनाएं प्रदान की।

समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों में 9521 उपाधियां प्रदान की गई। इनमें पीएचडी के 36, एमटेक के 212, एमआर्क के 1, एमबीए के 745, एमसीए के 595, बीटेक के 7817, बीआर्क के 113 और बीएचएमसीटी के 2 विद्यार्थी सम्मिलित हैं। इस वर्ष कुल 7487 छात्र और 2034 छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। इस समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक कौटिल्य इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग, जयपुर के एमटेक (ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग) पाठ्यक्रम के छात्र आदित्य शर्मा को प्रदान किया गया, जबकि कुलपति स्वर्ण पदक आर्या कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, जयपुर की बीटेक पाठ्यक्रम की छात्रा रश्मि कुमारी को प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त, विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 20 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए, जिनमें एमटेक के 4, एमबीए के 1, एमसीए के 1, बीटेक के 13 और बीआर्क के 1 विद्यार्थी शामिल हैं। इन 20 विद्यार्थियों में 11 छात्र एवं 9 छात्राएं सम्मलित हैं। समारोह के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में अभियांत्रिकी संकाय के 28, प्रबंधन संकाय में 03 एवं कम्प्यूटर एप्लीकेशन संकाय के पांच सहित 36 विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्रियां प्रदान की गई। जिसके अंतर्गत 24 छात्र एवं 12 छात्राएं सम्मिलित है।

कैलादेवी मेले से पहले श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा, सेवा के लिए भंडारे शुरु

मेले में प्रदेश सहित उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कई शहरों, गांवों से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं

हिंडौन सिटी, (निसं)। आगरा-जयपुर नेशनल हाइवे संख्या-21 से जुड़े हिंडौन-बयाना-भरतपुर स्टेट हाइवे पर कैलादेवी मेले से पहले श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। पदयात्रियों के जयकारों, डीजे पर बजते भजनों और लांगुरिया की धूम से माहौल भक्तिमय हो गया है। हिंडौन-सूरौठ और हिंडौन-करौली मार्ग पर पदयात्रियों की सेवा के लिए भंडारे और चिकित्सा कैंप सोमवार से शुरू हो गए। कई भंडारों में सुबह चाय-नाश्ते के बाद सुबह 10 से रात 12 बजे तक शुद्ध और ताजा भोजन की व्यवस्था है। कुछ कैंपों में चिकित्सा सेवाएं दी जा रही है। कहीं स्नान और विश्राम की सुविधा है।

करौली जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर त्रिकूट पर्वत पर विराजित मां कैला-चामुंडा माता के दरबार में चैत्र माह में लगने वाले लक्खी मेले में उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कई शहरों और गांवों से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। आगरा, एटा, फिरोजाबाद, मथुरा, कासगंज, रुपवास सहित कई इलाकों से पदयात्री हिंडौन होकर गुजरते हैं। इनका आगमन चैत्र माह की शीतला अष्टमी से शुरू होता है। छोटे बच्चों से लेकर युवा और बुजुर्ग तक सभी श्रद्धालु पदयात्रा में शामिल हैं।

- पदयात्रियों के जयकारों, डीजे पर बजते भजनों और लांगुरिया गीतों से माहौल भक्तिमय बना

दोपहर में तेज धूप और बढ़ ते तापमान के कारण पदयात्री भंडारों और पेड़ों की छांव में विश्राम कर रहे हैं। शाम होते ही जयकारों के साथ कैलादेवी की ओर बढ़ ते हैं। जगह-जगह लगे भंडारों में सुबह और शाम की आरती हो रही है। डीजे पर बजते लांगुरिया गीतों पर श्रद्धालु जमकर नृत्य कर रहे हैं। कई श्रद्धालु 100, 200 और 250 किलोमीटर दूर से पैदल आ रहे हैं।

भंडारों में सैकड़ों स्वयंसेवक सेवा में जुटे हैं। भोजन की व्यवस्था पंगत और बफर सिस्टम दोनों तरह से की गई है। मोहन नगर स्थित श्री श्याम मंदिर सेवा धाम की ओर से एसटीपी प्लांट के पास पहली बार कैंप लगाया गया है।

इसमें पदयात्रियों के विश्राम, चिकित्सा और स्नान की सुविधा के साथ खाटूश्याम और जगदंबे का भव्य दरबार सजाया गया है। बयाना रोड स्थित उमाशंकर सत्संग भवन में पंजाबी समाज की ओर से भंडारा चल रहा है। टीकाकुंड मंदिर में भी भंडारा है।

कोई शिशु को गोद में लिए, तो कोई छोटे रिक्शे में लिटाकर यात्रा कर रहा है। श्रद्धालुओं के जत्थे वाहन में कैलादेवी की प्रतिमा विराजित कर और अखंड ज्योत जलाकर यात्रा कर रहे हैं। भंडारों से भोजन और विश्राम के लिए आमंत्रण की आवाजें, भजनों की स्वर लहरियां और लांगुरिया के शोर से पूरा क्षेत्र कैला मैया की भक्ति में डूबा नजर आ रहा है।

आईजी एस परिमल ने पोकरण का दौरा किया

पोकरण, (नि.सं.)। आईजी एस परिमल ने पुलिस उपधीक्षक कार्यालय का मंगलवार को दौरा कर कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान शहर के गणमान्य नागरिकों एवं सीएलजी सदस्यों, महिला सखियों से वार्ता की।

इस अवसर पर पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात एवं महिला उत्पीड़न, सायबर क्राइम को लेकर महिला सखियों एवं सीएलजी सदस्यों से बढ़ रहे क्राइम को लेकर के दिशा निर्देश दिए। वहीं प्राइवेट बस यूनियन के अध्यक्ष खुमाण सिंह करनोत ने शहर की यातायात व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस प्रशासन की व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेश व्यास ने शहर में रह रहे बाहरी व्यक्तियों के भौतिक सत्यापन को लेकर मांग रखी। अध्यक्ष व्यास ने बताया कि शहर में बाहरी लोग मजदूरी एवं छुटपुट व्यवसाय को अपना धंधा बनाकर कार्य करने के लिए आते हैं, वहीं शहर में चोरी एवं अन्य बड़ी वारदात करके निकल जाते हैं। बाहर से आए हुए लोगों का भौतिक सत्यापन पुलिस प्रशासन द्वारा समय रहते किया जाना उचित है, जिस पर आईजी परिमल ने डिप्टी भवानी सिंह को निर्देश देते हुए कहा कि एक माह में बाहरी लोगों का भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट भेजें। व्यापार मंडल के कोषाध्यक्ष व पूर्व पार्षद घुडाराम सोनी ने कहा कि पुलिस प्रशासन की कार्यशैली से व्यापार मंडल एवं शहरी लोग संतुष्ट है। उन्होंने मांग रखकर बताया कि पुलिस उपाधीक्षक की कार्यशैली वआमजन की मांग पुलिस उपधीक्षक भवानी सिंह का तबादला नहीं किया जाए, इनके कार्यकाल की पुलिस प्रशासन की टीम क्षेत्र का महाकुंभ बाबा रामदेवरा मेला एवं शहरी सुरक्षा के साथ अपराधियों में भय एवं आम जनता में विश्वास पुलिस प्रशासन का बना हुआ है। इस अवसर पर एडिशनल एसपी प्रवीण कुमार, क्षेत्र के विभिन्न स्थानों के थाना अधिकारी एवं लोग उपस्थित रहे।

पाकिस्तान की ड्रोन एक्टिविटी को नेस्तनाबूद करने की तैयारी

राजस्थान-पंजाब-जम्मू बॉर्डर पर 12 डी4 एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात होंगे

बीकानेर, (निसं)। बॉर्डर पर पाकिस्तान की ड्रोन एक्टिविटी को नेस्तनाबूद करने की तैयारी कर ली गई है। राजस्थान, जम्मू और पंजाब से सटी पाक सीमा पर 12 डी4 एंटी ड्रोन सिस्टम लगाए जाएंगे, जो हवा में तीन किमी रेडियस में 360 डिग्री कवरेज देंगे और दुश्मन के ड्रोन का पता लगाकर उसे मार गिराएंगे। सीमा पार से ड्रोन के जरिए होने वाली मादक पदार्थ और हथियारों की तस्करी को रोकने के लिए कई सालों से देश की सुरक्षा एजेंसियां काम कर रही हैं।

बीकानेर से सटी पाक सीमा की बात करें तो खाजूवाला से लेकर रावला, घड़साना, अनूपगढ़ और श्रीगंगानगर इलाके में आए दिन पाक से ड्रोन के जरिए हेरोइन और हथियार भेजे जा रहे हैं। खासकर पंजाब और कश्मीर के इलाके में पाक की नापाक हरकतें बढ़ रही हैं, लेकिन अब इसका कड़ा जवाब की तैयारी कर ली गई है। भारत ने स्वदेशी तकनीक के जरिये एक शक्तिशाली एंटी-ड्रोन सिस्टम तैयार किया गया है, इसे डी4 नाम दिया गया है।

राजस्थान, पंजाब और जम्मू बॉर्डर पर यह सिस्टम ऐसे स्थानों पर लगाया जाएगा, जहां पाक की ड्रोन एक्टिविटी सबसे ज्यादा है। बीएसएफ, राजस्थान फ्रंटियर के आईजी एमएल गर्ग ने बताया कि पाक से आने वाले ड्रोन्स को निष्क्रिय करने के लिए राजस्थान, पंजाब और जम्मू सीमा पर करीब 12 नए एंटी ड्रोन सिस्टम शीघ्र ही तैनात किए जाएंगे।

राशिफल बुधवार 26 मार्च, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 2:30 तक, सिद्ध योग दिन 12:25 तक, कौलव करण दिन 2:44 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:15 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग रात्रि 1:43 तक है। पंचक दिन 3:15 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:30 तक, शुभ 11:02 से 12:23 तक, चर 3:35 से 5:06 तक, लाभ 5:06 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:28, सूर्यास्त 6:37

मेष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

कुंभ
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
अपने आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक प्रयासों में सफल रहेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 234 प्रभात अजमेर, बुधवार 26 मार्च, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

धनखड़ ने ''जुडीशियरी'' को नियंत्रण में लाने का अभियान पुनः शुरु किया

राज्यसभा के चेयरमैन धनखड़ ने राज्यसभा में दोनों पार्टियों के नेताओं की बैठक बुलाई, इस मुद्दे पर

-डॉ.सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मार्च। दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस यशवन्त वर्मा के निवास पर कथित रुप से बेहिसाब नकदी पाये जाने के उग्र होते जा रहे विवाद के बीच, राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ न्यायपालिका को ''नियंत्रण'' में लाने के नये अभियान की ओर बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने इस प्रकार के मुद्दों के बारे में चर्चा करने के लिये आज फ्लोर लीडर्स एक मीटिंग बुलाई थी।

जस्टिस वर्मा के मुद्दे पर सदन के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा सदन के नेता जे.पी. नड्डा के साथ हुई मीटिंग के एक दिन बाद, धनखड़ के मन की बात उस समय बाहर आ गई, जब उन्होंने कहा कि ''नेशनल जुडिश्यिल अपॉइन्टमेन्ट्स कमेटी (एनजेएसी) एक्ट'' को दोहराने का यह सही समय है, जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने 2015 में असंवैधानिक घोषित कर दिया था।

आईयूएमएल के हैरिस बीरन, जो आज की कार्यवाही को एक तरफ रखते हुये, इस मामले पर चर्चा की माँग कर रहे थे, के नियम 267 के तहत दिये गये नोटिस को अस्वीकार करने के बाद, सभापति धनखड़ ने कहा, ''मैंने फ्लोर लीडर्स की सुविधा की जानकारी लेने के बाद, आज अपरान्ह 4.30 बजे उनकी एक मीटिंग रखी है। इस मीटिंग का सुझाव विपक्ष के नेता ने दिया था तथा सदन के नेता ने इस सुझाव पर अपनी सहमति व्यक्त की थी। इस मीटिंग के समय की जानकारी सम्बंधित सांसदों को दे दी गई है।''

- धनखड़ का तर्क है कि दोनों सदनों (राज्यसभा व लोकसभा) द्वारा सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव, जिसे पर्याप्त विधानसभाओं ने पारित किया, ऐसे प्रस्ताव को सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार करके ठंडे बस्ते में डाल दिया था, क्या यह उचित निर्णय था?
- धनखड़ के अनुसार, अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या संसद के दोनों सदन व विधानसभाओं का कोई महत्व है, क्योंकि इन सभी संस्थाओं द्वारा पारित विधेयक को असंवैधानिक करार देकर रद्दी की टोकरी में डाल सकता है, सुप्रीम कोर्ट।
- इस बार क्या धनखड़ का, जुडीशियरी द्वारा जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया में परिवर्तन लाने का प्रयास कुछ रंग लायेगा।

धनखड़ ने कहा, ''मुझे यकीन है कि हमारी चर्चा बहुत उपयोगी रहेगी तथा कोई रास्ता निकलेगा, क्योंकि व्यवस्थापिका तथा न्यायपालिका अपना अभीष्ट तभी दे पाती हैं, जब वे अपने -अपने क्षेत्र में अपना श्रेष्ठतम कार्य सम्पादन त्वरित गति से करती हैं।

उन्होंने एनजेएसी एक्ट का जिक्र करते हुये कहा, ''मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण बिन्दु पर आपसे आपके सुझाव चाहता हूँ। भारतीय संसद ने एक अधिनियम बनाया था, जो आजादी के बाद एक दुर्लभ एकता की ओर उठाये गये एक ऐतिहासिक कदम के रुप में था तथा उसे राज्य विधानसभाओं की जरुरी स्वीकृति भी प्राप्त हो गई थी। इसके बाद उस अधिनियम का क्या हुआ, इस पर आज पुनः चिन्तन करने की जरुरत है।''

यह कहते हुये कि वे किसी मुद्दे पर जजमेन्टल होना नहीं चाहते, धनखड़ ने कहा, ''--लेकिन एक चीज, जिसे देश में व्यापक स्वीकार्यता मिली है, यह है कि सर्वोच्च न्यायालय के पास उपलब्ध सम्पूर्ण सामग्री बड़े पैमाने पर जनता के साथ साझा की जा चुकी है। मुझे यकीन है कि सारी चीजें हमें उपलब्ध हो जायेंगी।''

उन्होंने कहा, ''हम इस समय चौराहे पर खड़े हैं। मैं सदस्यों से गंभीरतापूर्वक अनुरोध करता हूँ कि वे विचार करें। जो चीज संसद ने पारित कर की तथा विधानसभाओं ने जिसका समर्थन कर दिया, उसे किसी भी संस्था द्वारा भंग नहीं किया जा सकता।

धनखड़ ने कहा, ''सदस्य इस पर विचार करें, इसीलिये, विपक्ष के नेता तथा सदन के नेता की बुद्धिमत्तापूर्ण सलाह एवं अनुभव का लाभ लेते हुये, मैंने यह कदम उठाया है। और यह बड़ा ही दुर्लभ संयोग है कि सत्तारुढ़ पार्टी के अध्यक्ष इस समय सदन के नेता तथा मुख्य विपक्षी दल के नेता सदन में विपक्ष के नेता हैं।''

धीर -गंभीर पर्यवेक्षकों का कहना है कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रुप में धनखड़ का अतीत हमें बताता है कि संवैधानिक पद पर होने के बावजूद, वे तटस्थ रहने के बजाय, वर्तमान सरकार के प्रवक्ता के रुप में ज्यादा काम करते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पटवारी भर्ती परीक्षा धाँधली, दो पटवारी सस्पैंड

जयपुर, 25 मार्च। सिरोही जिले में पटवारी भर्ती परीक्षा 2021 में हुई धांधली के मामले में एसओजी की सूचना पर रेवदर ब्लॉक के दो पटवारी सस्पेंड किए गए हैं।

राजस्व बोर्ड अजमेर के पत्र के आधार पर सिरोही जिला प्रशासन ने डाक ग्राम पंचायत के पटवारी दिनेश कुमार पुत्र ठाकराराम और मगरीवाड़ा ग्राम पंचायत के पटवारी दिनेश कुमार पुत्र तुलसाराम को निलंबित कर दिया है। रेवदर तहसीलदार मंजू देवासी ने बताया कि सिरोही प्रशासन से पत्र आने

- सिरोही जिले में पटवारी भर्ती परीक्षा, 2021, में हुई धाँधली के मामले में दोनों निलम्बित पटवारियों पर परीक्षा में डमी कैंडिडेट बिठाने का आरोप है।

के बाद इन दोनों पटवारियों पर कार्रवाई की गई है। इन पर पटवारी भर्ती परीक्षा 2021 में डमी कैंडिडेट बैठाने का आरोप था।

एसओजी की जांच में दोनों पटवारियों के नाम सामने आए थे। इन पर आरोप था कि इन्होंने भर्ती परीक्षा के दौरान डमी कैंडिडेट बैठाए थे। जांच में आरोप पुख्ता पाए जाने के बाद एसओजी ने राजस्व बोर्ड अजमेर को पत्र लिखकर इनके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की थी। कलेक्टर अल्पा चौधरी ने पत्र जारी कर दोनों पटवारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की। राजस्थान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या भाजपा व अन्नाद्रमुक एक बार फिर साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे?

अन्नाद्रमुक के महासचिव मंगलवार को दिल्ली आये और फिर अन्नाद्रमुक के दो अन्य वरिष्ठ नेता भी दिल्ली पहुँचने से भाजपा व अन्नाद्रमुक के बीच में कुछ पकने की संभावनाओं की चर्चा बहुत गरम है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मार्च। ऐसा लगता है कि भाजपा और अन्नाद्रमुक के संबंधों को लेकर दिल्ली में कुछ खदबदा रहा है। गत वर्ष भाजपा की तमिलनाडु इकाई ने जयललिता पर लगातार हमले कर अन्नाद्रमुक को गठबंधन छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया था।

जयललिता पर हमले के कारण अन्नाद्रमुक के महासचिव ई. पलानीस्वामी ने भाजपा से गठबंधन तोड़कर अकेले लोकसभा चुनाव लड़ा था। इससे द्रमुक विरोधी वोट बंट गए और तमिलनाडु व पुडुचेरी की सभी सीटें द्रमुक ने जीत ली थीं।

अब अन्नाद्रमुक महासचिव के दिल्ली आने से अटकलों का बाज़ार गर्म है कि भाजपा व अन्नाद्रमुक में फिर से गठबंधन हो सकता है, वरना द्रमुक की जीत तय है।

सूत्रों के अनुसार, अन्नाद्रमुक के दो अन्य ताकतवर नेता भी जल्दी ही दिल्ली आने वाले हैं। वे यहाँ अन्नाद्रमुक के कार्यालय का निरीक्षण करने आएंगे, जिसका हाल ही में उद्घाटन हुआ है। संभावना है कि वे भाजपा नेताओं से भी मिलेंगे, पर अन्नाद्रमुक को अभी कुछ बाधाओं को हटाना जरूरी है।

- पिछले लोकसभा चुनाव के समय दोनों कुछ मनमुटाव के बाद गठबंधन तोड़कर अलग-अलग हो गई थीं तथा अलग-अलग ही चुनाव लड़ा था।
- नतीजा यह हुआ था कि द्रमुक विरोधी वोट बंट गया था तथा द्रमुक तमिलनाडु की सभी सीटों पर विजयी हुई थी।
- इस बार दोनों पार्टियाँ, अन्नाद्रमुक व भाजपा, द्रमुक विरोधी वोटों को बंटने नहीं देना चाहते। अतः दोनों पार्टियाँ, किसी तरह एक बार फिर एक साथ चुनाव लड़ना चाहती हैं।
- पर, इस संभावना के बावजूद, दो बड़े मुद्दे, डीलिमिटेशन व तीन भाषा फॉर्मूले पर आपसी समझौता करना पड़ेगा। अन्नाद्रमुक नेताओं की अचानक दिल्ली यात्रा इस प्रयास का ही अंग है।

इनमें सबसे प्रमुख है, त्रिभाषा फॉर्मूला। अन्नाद्रमुक भी दो भाषा फॉर्मूला की पक्षधर है और इसे परिसीमन पर भी अपना पक्ष रखना पड़ेगा। ये दोनों ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर दोनों दलों को विचार कर साझा रुख तैयार करना पड़ेगा, क्योंकि स्टालिन ने इन दोनों मुद्दों को चुनावी मुद्दा बना दिया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन तमिलनाडु के सांसदों का प्रतिनिधिमंडल लेकर दिल्ली आ रहे हैं, जहाँ वे प्रधानमंत्री से मुलाकात कर प्रस्तावित परिसीमन के खिलाफ ज्ञापन देंगे। परिसीमन हुआ तो दक्षिणी राज्यों की सीटें कम हो जाएगी। अब अन्नाद्रमुक प्रमुख, दिल्ली आ रहे हैं। उनकी यात्रा को 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा से गठबंधन के प्रति लचीले रुख के रूप में देखा जा रहा है। अगर अन्नाद्रमुक से गठबंधन हो जाता है तो भाजपा को भी लाभ हो सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वन रक्षक पेपर लीक प्रकरण : एसओजी ने दो और गिरफ्तारियाँ कीं

एसओजी ने एन.डी. सारण से पूछताछ के बाद एक रेल्वे स्टेशन मास्टर और ट्रैफिक पुलिस के एक कांस्टेबल को पकड़ा है

जयपुर, 25 मार्च। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए, वन रक्षक पेपर लीक प्रकरण मामले में पालनपुर गुजरात रेलवे स्टेशन मास्टर सहित, बाड़मेर के ट्रेफिक पुलिस कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है।

एटीएस-एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि 30 जून 2024 को पुलिस थाना राजतलाब जिला बांसवाड़ा की ओर से 13 नवम्बर 2022 की दोनों पारियों में वन रक्षक भर्ती परीक्षा - 2020 कराई गई थी उक्त परीक्षा के पेपर लीक मामले की जांच एसओजी, राजस्थान जयपुर की ओर से की जा रही है।

एसओजी ने इस मामले में बाड़मेर महाविद्यालय पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष तथा पूर्व कांग्रेस पार्षद नरेश देव सारण को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो सामने आया कि बाड़मेर निवासी टिमो हाल वनरक्षक को वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020, 13 नवम्बर 2022 की द्वितीय पारी का सॉल्यड पेपर उदयपुर परीक्षा केन्द्र पर पढ़ाने के एवज में बालोतरा निवासी कंवरा राम चौधरी जो गुजरात पालनपुर में स्टेशन मास्टर है, ने उसे 6 लाख रूपये दिये थे। ज्ञातव्य है कि टिमो को एसओजी ने गिरफ्तार कर लिया है। इस टिमो के पति लिखमाराम, जो बाड़मेर के चौहटन में ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल है, को एसओजी ने सारण से पूछताछ के आधार पर षड़यंत्र में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। वह टिमो को वन रक्षक परीक्षा का पेपर पढ़ाने के षडयंत्र में शामिल था। उसने अपने परिचित को बोलकर अपनी पत्नी टिमो को वन रक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर पढ़ाने व रूकवाने की उदयपुर में व्यवस्था कराई थी। कंवराराम चौधरी व लिखमाराम को जांच के बाद गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दो दिन का रिमाण्ड प्राप्त किया।

- ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल लिखमाराम, गिरफ्तार वन रक्षक टिमो का पति है, उसने अपनी पत्नी को उदयपुर में सॉल्व्ड पेपर पढ़ाने व वहाँ रूकवाने की व्यवस्था कराई थी।
- एन.डी. सारण ने यह भी बताया कि बालोतरा निवासी कंवराराम, जो गुजरात के पालनपुर में स्टेशन मास्टर है, ने उसे टिमो को पेपर पढ़ाने के लिए 6 लाख रूपए दिए थे।

ज्ञातव्य है कि आरोपित एन डी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ईद पर देगी सौगात-ए- मोदी

नयी दिल्ली, 25 मार्च। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पसंख्यक मोर्चा ने रमज़ान के पावन अवसर पर हजरत निजामुद्दीन स्थित ग़ालिब अकादमी में 'सौगात-ए-मोदी '' किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम और मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी

- अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा, सौगात -ए- मोदी में कपड़े, सेंवाई, खजूर, मेवे व चीनी दिए जाएंगे।

ने करीब 200 जरूरतमंद लोगों को 'सौगात-ए-मोदी' किट वितरित की।

इस मौक़े पर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अनीस अब्बासी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस. एम. अकरम, सूफ़ी संवाद अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी डॉ. असलम, यासिर जिलानी, सौगात ए मोदी अभियान दिल्ली के प्रभारी इरफान सलमानी देहलवी, सह प्रभारी इमतियाज अहमद,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस वर्मा के इलाहाबाद हाई कोर्ट तबादले के खिलाफ वकीलों ने हड़ताल की

इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के आव्हान पर वकील अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए

प्रयागराज, 25 मार्च। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के इलाहाबाद हाईकोर्ट में स्थानांतरण की कोलीजियम की सिफारिश के विरोध में मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की। इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं ने गेट नम्बर तीन के बाहर टैन्ट लगाकर तबादले के विरोध में अपने अपने विचार व्यक्त किए। घर में कथित तौर पर नगदी मिलने के आरोपों से घिरे न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ वकीलों ने आर-पार की लडाई का ऐलान किया।

अधिवक्ताओं ने उच्च न्यायालय के बाहर ''अभी तो ये अंगडाई है, आगे और लड़ाई है'', तथा ''अधिवक्ता एकता जिंदाबाद'' जैसे नारे लगाए। उन्होंने गेट के बाहर यज्ञ किया और वे हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं। हालांकि अन्य लोगों को न्यायालय के अंदर जाने से रोका नहीं जा रहा है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के महासचिव विक्रांत पाण्डेय ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की सदबुद्धि के लिए यज्ञ किया गया है और हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होतीं, हम लोग काम पर वापस नहीं लौटेंगे। हम किसी भी हाल में यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में बैठने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि बुधवार से फोटो एफिडेविट सेंटर भी बंद किए जाएंगे।

इलाहाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि सोमवार शाम को न्यायालय बंद होने के बाद, न्यायमूर्ति वर्मा के इलाहाबाद उच्च न्यायालय में तबादला होने की सूचना मिलने पर देर शाम उनके आवास पर ही एसोसिएशन ने पदाधिकारियों की आपातकालीन बैठक बुलाकर विचार-विमर्श किया। फिर वकीलों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया। पदाधिकारियों की बैठक में निर्णय लिया गया कि उच्चतम न्यायालय कोलीजियम द्वारा स्थानांतरण का निर्णय जब तक वापस नहीं लिया जाता है, तब तक यहां के अधिवक्ता न्यायिक कार्य नहीं करेंगे।

- वकीलों ने हाई कोर्ट के बाहर धरना दिया, यज्ञ किया और हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं।
- वकीलों ने प्रस्ताव पारित कर कहा कि जस्टिस वर्मा का किसी भी अदालत में तबादला नहीं होना चाहिए।
- उन्होंने कहा, जब तक सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम हमारी माँगें नहीं मानता, हम काम पर नहीं लौटेंगे।

गौरतलब है कि 14 मार्च को दिल्ली में न्यायमूर्ति वर्मा के आवास के एक कमरे में लगी आग में रुपए के बंडल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खदान में दो गुमशुदा ममेरे भाइयों के शव तैरते मिले

बूंदी, (निसं)। बूंदी जिले के हिंडोली उपखंड क्षेत्र की उमर पंचायत के बासनी गांव से दो दिन से लापता दो ममेरे भाइयों के शव मंगलवार सुबह घर के पास स्थित पुरानी खदान में भरे पानी में तैरते मिले। इससे इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम व ग्रामीणों की सहायता से दोनों बालकों के शव खदान से निकलवाए व हिंडोली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए। परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया।

हिंडोली थाना प्रभारी सहदेव सिंह मीणा ने बताया कि 14 वर्षीय अंशुल और 11 वर्षीय दिव्यांश की परिजनों ने रविवार को गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। ये दोनों खेत से घर जाने की बोलकर निकले थे, लेकिन शाम तक नहीं पहुंचे। मंगलवार सुबह सूचना मिली कि पानी से भरी खदान में बालकों के शव तैर रहे हैं। सिविल डिफेंस के जवानों के साथ पुलिसकर्मियों ने शव निकाले। मृतक बालकों के परिजन कविराज मीणा ने बताया कि 23 मार्च को दोनों बच्चे खेत पर परिवार के साथ थे। दोपहर में घर जाने की बोलकर निकले थे, लेकिन शाम तक घर नहीं पहुंचे तो परिजन को चिंता हुई। हिंडोली थाने पहुंचकर बालकों की गुमशुदगी दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह गांव में पुरानी खदान में एक बालक की चप्पल तैरती नजर आई। कुछ देर बाद दोनों बच्चों की बॉडी भी पानी में तैरती दिखी। ग्रामीणों ने सूचना पर पुलिस ने शवों को खदान के पानी से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने दोनों बालकों को मृत घोषित कर दिया।

पीड़ित कविराज मीणा ने बताया कि हादसे के शिकार दोनों बच्चे उनके छोटे भाई सुरेश मीणा और चंद्र प्रकाश मीणा के थे। 14 वर्षीय अंशुल दो भाइयों में बड़ा था। उसके पिता सेना से सेवानिवृत हैं। दिव्यांश चंद्रप्रकाश मीणा का बेटा व तीन बहनों का एकलौता भाई था। उधर, हादसे के बाद गांव में चूल्हे नहीं जले परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं विधायक अशोक चांदना ने भी घटना पर दुख प्रकट किया है।

सेना क्षेत्र के वीडियो, फोटो पाक भेजने के शक में जासूस को पकड़ा

सुरक्षा एजेंसियां जासूस पठान खान से पाकिस्तान भेजी गई खुफिया जानकारियों को लेकर जांच कर रही है

जैसलमेर, (निसं.)। जिले के मोहनगढ़ नहरी इलाके से सुरक्षा एजेंसियों ने एक पाकिस्तानी जासूस को पकड़ा है। पकड़े गए जासूस पर भारत की खुफिया जानकारियां पाकिस्तान भेजने का शक है। सुरक्षा एजेंसियों ने पुलिस के साथ मिलकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया है।

पकड़ा गया जासूस पठान खान (40) निवासी करमो की ढाणी, चांधन जैसलमेर है, जिसे सोमवार देर रात तीन बजे नहरी इलाके की जीरो आरडी से पकड़ा है। सुरक्षा एजेंसियां पठान खान से पाकिस्तान भेजी गई खुफिया जानकारियों को लेकर पड़ताल कर रही है। पठान खान के रिश्तेदार पाकिस्तान में रहते हैं। पठान खान साल 2019 में पाकिस्तान भी जाकर आया था। इसके बाद से वह लगातार पाकिस्तान सूचनाएं भेज रहा था। शक के चलते सुरक्षा एजेंसियां भी उस पर नजर बनाए हुई थी।

करमो की ढाणी, चांधन जैसलमेर के पठान खान से सीआईडी, आईबी समेत कई जांच एजेंसियां पूछताछ कर रही है।

- पठान खान के रिश्तेदार पाकिस्तान में रहते हैं, साल 2019 में पाकिस्तान भी जाकर आया था
- इसके बाद से वह पाकिस्तान सूचनाएं भेज रहा था, शक के चलते सुरक्षा एजेंसियां नजर बनाए हुई थी

सूत्रों के अनुसार मोहनगढ़ नहरी इलाके के जीरो आरडी में पठान खान का खेत है। पिछले काफी समय से पठान खान आर्मी क्षेत्र के वीडियो और फोटो पाकिस्तान भेज रहा था। सुरक्षा एजेंसियां उसके मोबाइल की जांच कर रही है।

फैक्टरी में कार्यरत मजदूर का गला कटा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित एक फैक्टरी में कार्यरत एक मजदूर का संदिग्ध परिस्थितियों में गला कटने के बाद उसे गंभीर हालत में एमजी हॉस्पिटल लाया गया है, जहां मजदूर का उपचार जारी है।

हमीरगढ़ थाना पुलिस ने बताया कि बिहार के मधूबनी जिला निवासी और हाल आजाद नगर निवासी राजीव पांडेय स्वरुपगंज पुलिया के नजदीक स्थित अनंत फैक्ट्री में मजदूरी करता है। सोमवार रात राजीव फैक्ट्री में काम कर रहा था, जो आज अलसुबह फैक्ट्री परिसर में ही स्थित गोदाम में आराम करने गया, जहां उसका संदिग्ध परिस्थितियों में गला कट गया। इससे वह लहूलुहान हो गया। राजीव लहूलुहान हालत में स्टॉफ के पास पहुंचा, जिसे बाद उसे तत्काल एम्बुलेंस के जरिए एमजी अस्पताल लाया गया, जहां उसके गले का ऑपरेशन किया गया। फिलहाल उसका उपचार जारी है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह किसी हादसे का शिकार हुआ या खुद से आत्महत्या की कोशिश की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने अरविंद सिंह मेवाड़ को श्रद्धांजलि दी

उदयपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार सुबह उदयपुर पहुंचे। उन्होंने सिटी पैलेस स्थित शंभु निवास पहुंचकर पूर्व राज परिवार के दिवंगत सदस्य स्व. अरविन्दसिंह मेवाड़ को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सी.एम. भजनलाल शर्मा ने अरविंद सिंह मेवाड़ के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक श्रीचंद कृपलानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

वरिष्ठ सहायक व कनिष्ठ सहायक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी)की चौकी धौलपुर टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए समाज कल्याण विभाग धौलपुर के वरिष्ठ सहायक शैलेन्द्र सिह व कनिष्ठ सहायक अभिषेक शर्मा को 1 हजार 500 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ.रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी की धौलपुर टीम को पीड़ित ने शिकायत दी कि उसने समाज कल्याण विभाग में दिव्यांगजन स्कूटी योजना में करीब चार महीने पहले आवेदन किया था।

जहां समाज कल्याण से सरकारी योजना के अन्तर्गत ट्राई स्कूटी मिली थी और स्कूटी के कागजात धौलपुर समाज कल्याण विभाग से प्राप्त नहीं हुए थे। समाज कल्याण विभाग धौलपुर में पदस्थापित वरिष्ठ सहायक शैलेन्द्र सिह व कनिष्ठ सहायक अभिषेक शर्मा स्कूटी के कागजात देने की एवज में दो हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहे हैं।

आरोपी कनिष्ठ सहायक अभिषेक शर्मा ने पांच सौ रुपये पूर्व में ले लिये थे और अब 1 हजार 500 रुपये रिश्वत और मांग रहा है।

जिस पर एसीबी की धौलपुर टीम के पुलिस उप अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह नेतृत्व में ट्रैप की कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ सहायक शैलेन्द्र सिंह व कनिष्ठ सहायक अभिषेक शर्मा को 1 हजार 500 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

शिक्षा विभाग के लिपिक ने 20 हजार की रिश्वत ली

बीकानेर, (निसं)। जिले के खाजूवाला में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के ऑफिस में कार्यरत लिपिक बीस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एक पीटीआई के निलंबन काल का भुगतान दिलाने के लिए पचास हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी, जिसमें बीस हजार रुपए की डिमांड पहले पूरी करने पर एसीबी ने लिपिक को दबोच लिया।एसीबी की बीकानेर चौकी के एडिशनल एसपी महावीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि सीबीओ ऑफिस में कार्यरत पीटीआई को निलंबित किया गया था। परिवादी पीटीआई का आरोप है कि निलंबन काल का भुगतान दिलाने और उसे फिर से बहाल करने के नाम पर पचास हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। इसके तहत बीस हजार रुपए रिश्वत मांगी गई थी। परिवादी ने इस संबंध में एसीबी की चौकी को शिकायत दर्ज कराई। जिस पर शिकायत की पुष्टि की गई। मंगलवार को परिवादी ने बीस हजार रुपए की रिश्वत देने पहुंचा। जैसे ही लिपिक चोरुराम ने रिश्वत की राशि हाथ में ली, वैसे ही एसीबी टीम मौके पर पहुंच गई। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके हाथ से रुपयों पर लगा रंग भी आ गया। फिलहाल चोरुराम को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके घर और बैंक खातों से भी जानकारी खंगाली जा रही है। एसीबी टीम में डिप्टी महेश श्रीमाली, इंस्पेक्टर अजय कुमार, हेड कांस्टेबल राजवीर सिंह, राजेंद्र कुमार, कांस्टेबल अनिल कुमार, मनोहर लाल, रतन सिंह हरिराम, भगवान दास आदि शामिल थे।

हादसे में युवक की मौत

पाली, (नि.सं.)। पाली में तेज रफ्तार कार ने आगे चल रही बाइक को टक्कर मार दी। टकराने से बाइक सवार युवक सड़क पर गिर गया। कार का पहिया युवक के सिर के ऊपर से गुजर गया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बॉडी बांगड़ हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाकर जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार पाली जिले के रोहट थाना क्षेत्र के खारड़ा बांध गांव निवासी भगाराम (28) पुत्र सोहनलाल अपनी बाइक से मंगलवार दोपहर फैक्ट्री जा रहा था। इस दौरान हाईवे पर झाला पेट्रोल पम्प के पास पीछे से आ रहे एक कार ड्राइवर ने बाइक को टक्कर मार दी। भगाराम उछलकर नीचे गिर गया और कार का पहिया उसके सिर के ऊपर से गुजर गया। उसे तुरंत इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया, जहां जांच के बाद मृत घोषित कर दिया गया। परिजन ने बताया कि भगाराम खारड़ा के पास एक पाइप फैक्ट्री में काम करता था।

कार्यालय जिला परिषद, धौलपुर

क्रमांक-जिपधौ/स्टोर/2024-25 दिनांक-20.03.2025

Procurement Through GeM Portal

Bids for procurement of open gym equipment and installation thereof, in government schools located in Dholpur District, estimated cost Rs.3.50 crores are invited from interested bidders up to 27.03.2025. Others particulars of the bid may be visited at https://sppp.rajasthan.gov.in and https://gem.gov.in

UBN No:- ZDH2425GSGB00522
GeM Bid No:- GEM/2025/B/6036979

(आल्हाद निवृत्ती सोमनाथ) I.A.S. मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, धौलपुर

DIPR/C/4281/2025

कार्यालय जिला परिषद, धौलपुर

क्रमांक-जिपधौ/स्टोर/2024-25 दिनांक-20.03.2025

Procurement Through GeM Portal

Bids for procurement of Mobile Containers For Solid Waste Conforming to IS 12402, in Gram Panchayats located in Dholpur District, estimated cost Rs.16.40 Lakhs are invited from interested bidders up to 07.04.2025. Others particulars of the bid may be visited at https://sppp.rajasthan.gov.in and https://gem.gov.in

UBN No:- ZDH2425GSGB00744
GeM Bid No:- GEM/2025/B/5969029

(आल्हाद निवृत्ती सोमनाथ) I.A.S. मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, धौलपुर

DIPR/C/4280/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद धौलपुर

SEWDSC.DHOLPUR@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांक-पीएमकेएसवाई-2.0/निविदा/2024-25/2086-89 दिनांक-20.03.2025

NOTICE INVITING BID

NIB No 13 YEAR 2024-25

Bids for NRM Works MPT etc. under PMKSY 2.0 Project Area in Block Bari of Distt. Dholpur of estimated value INR 24.75 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 30-03-25. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.

UBN -WSC2425WSOB01427
NIB-WSC2425A0686

(लाखन सिंह मीना) अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद धौलपुर

DIPR/C/4272/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद धौलपुर

SEWDSC.DHOLPUR@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांक-पीएमकेएसवाई-20/निविदा/2024-25/2078-87 दिनांक-20.03.2025

NOTICE INVITING BID

NIB No 12 YEAR 2024-25

Bids for NRM Works (ECD, Talab, renovation, MPT, PT, Sunken Poudetc etc. under PMKSY 2.0 Project Area in Block Baseri of Distt. Dholpur of estimated value INR 78.24 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 30.03.25. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.

UBN-WSC2425 WSOB 01428
NIB-WSC2425 A 0687

(लाखन सिंह मीना) अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद धौलपुर

DIPR/C/4271/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त-करौली

क्रमांक: 6197-6205 दिनांक : 19-03-2025

निविदा सूचना संख्या : 04/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से देवलैन बस स्टैण्ड से बोल वाया भूली की ढाणी, सलेमपुर, जिला करौली में सड़क निर्माण हेतु (दोष निवारण अवधि 5 वर्ष सहित) के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in" एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से बेवसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" पर रजिस्टर करवाना आवष्यक है।

Name of Work	NIB No.	UBN No.
Construction of Road From Devlen Bus Stand to Bonl Via Bhulli Ki Dhani, Salempur, Km. 0/0 to 5/0,	PWD2425 A4749	PWD2425 WSOB17134

DIPR/C/4066/2025 (जयलाल मीना) अधीक्षण अभियन्ता, सा0नि0वि0 वृत्त-करौली

EXECUTIVE ENGINEER PWD DN-LALSOT

File No. 2968-2976 Date 17/03/2025

Notice Inviting Bid

Bids for CC Road Construction work and DLP Road Repair Work Under Pwd Division Lalsot District Dausa of Nit No. 16 Year 2024-25 of Procurement are invited from interested bidders upto 12.30 PM (time) 17.03.2025 to 27.03.2025 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://www.eproc.rajasthan.gov.in, "http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; and "http://www.pwd.rajasthan.gov.in" departmental website. The approximate value of the procurement is Rs 213.474 Lacs

NIB Code: PWD2425A4708
1. PWD2425WSOB16987, 2. PWD2425WSOB16988, 3. PWD2425WSOB16989
4. PWD2425WSOB16990, 5. PWD2425WSOB16991, 6. PWD2425WSOB16992
7. PWD2425WSOB16993, 8. PWD2425WSOB16994, 9.PWD2425WSOB16995
10. PWD2425WSCB16997

Executive Engineer PWD Division-Lalsot

DIPR/C/3986/2025

आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण

पुरानी विधानसभा भवन, हवामहल के पास, जयपुर, टेलीफोन नम्बर - 0141-2600032
ई-मेल आई.डी. :- adma.jaipur@gmail.com

क्रमांक :- कार्य निदेशक/एडमा/निविदा/2024-25/296 दिनांक :- 21/03/2025

ई-बिड् संख्या - 23/2024-25

आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण, जयपुर स्थित स्मारकों/संग्रहालयों में विभिन्न 06 सिविल एवं विद्युत कार्यों हेतु राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/निगमों/बोर्ड कार्यालयों में सक्षम/निर्धारित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से द्विभागीय खुली बिड ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है जिनका विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, जो देखी व पढ़ी जा सकती है। (ई-बिड संख्या-23/2024-25 की कुल लागत राशि रुपये 116.01 लाख)

NIB कोड ADA2425A0027
बिड यू.बी.एन. नम्बर :-
ADA2425WSOB00088 To ADA2425WSOB00093

राज.संवाद/सी/24/13891 कार्यकारी निदेशक (कार्य)

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

[illegible]

दिनांक :- 24/03/2025

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
E-Tender No. 14/23-24 Dated 24.03.2025 Due Date 30.04.2025 UBN No. MML2425GLOB00234	सप्लाई इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग एण्ड कमीशनीग ऑफ 3 पोल, 145 केवी, एस एफ 6 सर्किट ब्रेकर अनुमानित राशि रू. 1378000 – लाख, धरोहर राशि रू. 27600/–, निविदा शुल्क रू. 1180/– प्रोसेसिंग फीस 1000/–
E-Tender No. 15/23-24 Dated 24.03.2025 Due Date 30.04.2025 UBN No. MML2425GLOB00235	सप्लाई इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग एण्ड कमीशनीग ऑफ स्टेप अप ट्रांसफार्मर, 630 केवीए [illegible] अनुमानित राशि रू. 2000000 – लाख, धरोहर राशि रू. 40000/–, निविदा शुल्क रू. 1180/– प्रोसेसिंग फीस 1000/–
E-Tender No. 16/23-24 Dated 24.03.2025 Due Date 30.04.2025 UBN No. MML2425GLOB00236	रेट कॉन्ट्रेक्ट फॉर ट्रांसपोर्टेशन [illegible] अनुमानित राशि रू. 1000000 – लाख, धरोहर राशि रू. 20000/–, निविदा शुल्क रू. 1180/– प्रोसेसिंग फीस 1000/–

विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा जनरल मैनेजर (एम.एम.) से सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/24/13860 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड धौलपुर

मचकुण्ड चौराहा जी टी रोड धौलपुर (राज.)
फोन नं. 05642-220728, ई-मेल-eepheddholpur@gmail.com

क्रमांक-अ.अ./ /धौ./2024-25/3052-58 दिनांक-18.03.2025

नीलामी सूचना 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस खण्ड के अधीन खण्डीय भण्डार धौलपुर में विभिन्न प्रकार के निम्नानुसार नकारा घोषित सामान की नीलामी खण्डीय भण्डार धौलपुर में दिनांक 27.03.2025 को प्रात 12.00 से 5.00 पी.एम. तक की जावेगी। अत सभी नीलामी में भाग लेने वाले बोलीदाताओं को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर इस नीलामी में सक्रिय भाग लेवे। नीलामी किये जाने वाले सामान का अवलोकन किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दौरान खण्डीय भण्डार धौलपर में किया जा सकता है। नीलामी का सामान जहॉ है जैसा है कि आधार पर नीलाम किया जायेगा।

क्र. सं.	सामान का नाम	क्रय मूल्य/सामग्री का पुस्तक मूल्य (लाखों में)
1	एम.एस. स्क्रेप/गाटर, सी.आई.स्केप, ग्रेज स्क्रप, कापर बरन्ट बायर, समरसेवल पम्प सेट/सन्ट्रिफ्यूगल पम्प सेट/मोनोब्लोक पम्प सेट विभिन्न साईट व मेक, डीजल इंजन मय पम्प सिलिंग फेन लोरिंग मशीन इत्यादि।	51.33 लाख

नियम व शर्ते-
1. प्रत्येक बोलीदाता की बोली लगने से पूर्वे 102660.00/- रूपये का डिमान्ड ड्राफ्ट अधोहस्ताक्षरकर्ता (अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड धौलपुर) के पक्ष में दिनांक 27.03.2025 को 11.00 ए.एम. तक आवश्यक रूप से जमा कराना होगा।
2. नीलामी समिति के सामने बोली लगानी होगी।
3. अंतिम बोली छूटने पर बोली राशि का 1/4 राशि उसी समय जमा करानी होगी। अन्यथा धरोहर राशि जप्त कर ली जावेगी। नीलामी सम्बन्धि पूर्ण अधिकार नीलामी कमेटी में निहित है नीलामी कमेटी का निर्णय सर्वमान्य एवं अन्तिम होगा।

नोट-अन्य नीलामी की शर्ते कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

NIB NO. PHE2425A5360, UBN NO. PHE2425WSOB11759

(आशाराम मीणा) अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड धौलपुर

DIPR/C/4078/2025

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट-2024)

राजीव गांधी विद्या भवन, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कॉलोनी, सिविल लाइन्स, अजमेर-305001 (राज.)

दिनांक : 25.03.2025

दिनांक 27-28 फरवरी 2025 को आयोजित रीट परीक्षा-2024 की स्तर प्रथम (प्रथम पारी) एवं स्तर द्वितीय (द्वितीय एवं तृतीय पारी) के प्रश्न-पत्रों की उत्तरतालिकाएँ (प्रोविजनल) रीट की वेबसाईट www.reet2024.co.in पर अपलोड कर दी गई है। परीक्षार्थी को यदि किसी प्रश्न के उत्तर में कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क रूपये 300/-प्रति प्रश्न ऑनलाईन माध्यम से मय प्रामाणिक (Standard, Authentic) पुस्तक के प्रमाण एवं फीस जमा करवाकर अपनी आपत्ति दिनांक 31.03.2025 रात्रि 12.00 बजे तक अपलोड कर सकते हैं। आपत्ति ऑनलाईन ही स्वीकार की जाएगी, ऑफलाइन एवं बिना प्रमाण के प्रस्तुत आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। आपत्ति दर्ज करने सम्बन्धित विस्तृत प्रक्रिया एवं अनुदेश रीट वेबसाइट www.reet2024.co.in पर देखें।

समन्वयक, REET-2024

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक:- राजकाज 14300397 दिनांक:- 20/03/2025

ई-निविदा सूचना संख्या:- जोन दक्षिण/21/2024-25

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजस्थान सरकार के किसी भी विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्यों हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code:- JOD2425A0186
UBN No.:- JOD2425WSOB00420 To JOD2425WSOB00429

राज.संवाद/सी/24/13858 अधिशाषी अभियंता (दक्षिण)

कार्यालय नगर पालिका मॉगरोल जिला बारां (राज0)

क्रमांक:-न.पा.मॉ./स्टोर/2025/4785 दिनांक:- 24.03.2025

Corrigendum

राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पालिका निविदा सूचना क्रमांक 4492–4496 दिनांक 10.03.2025 के द्वारा दिनांक 26.03.2025 को आमंत्रित निविदा में अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मॉगरोल

राज.संवाद/सी/24/13850

कार्यालय नगरपालिका खुडाला फालना स्टेशन जिला-पाली

टेलि न./फैक्स न. – (02938) 236170/236883, ई–मेल – eombfalna@gmail.com

Notice Inviting Bid

Bids for Development Work Of Subject matter(s) of Procurement are invited from interested bidders From 11.00 AM Date 24-03-2025 to 5.00 PM Date 02.04.2025 Other particulars of the bid may be Visited on the procurement portal (http://Sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and Muncipal Board Khudala-Falna Office,

UBN :- DLB2425WSOB22378

Raj.Samwad/C/24/13846 Executive Officer

राजस्थान सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान

आबकारी भवन 2-गानियावाला, पंचवटी, उदयपुर-313001

क्रमांक-F.32(B)(1)((After Policy-2025-24)EX/L/2025-04359/1592 दिनांक-25.03.2025

मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा क्रमांक प.4(1)वित्त/आब/2025 दिनांक 29 जनवरी 2025 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 के प्रावधानानुसार मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के लिये ई-निविदा प्रक्रिया से वर्ष 2025-26 के बन्दोबस्त करने हेतु निम्नानुसार ई-निविदिाए आमंत्रित की जाती है-

1	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन डाउनलोड करने की दिनांक व समय	दिनांक 26.03.2025 दोपहर 3.00 बजे से
2	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन अपलोड करने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 27.03.2025 दोपहर 3.00 बजे तक
3	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक, समय, व स्थान	दिनांक 27.03.2025 को दोपहर 4.00 बजे से संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय

ई-निविदा में भाग लेने की शर्ते-
1. यह निविदा वेबसाईट https://www.sppp.rajasthan.gov.in तथा विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर देखी/डाउनलोड की जा सकती है। उक्त निविदाएं वेबसाईट https://www.eproc.rajasthan.gov.in पर प्रस्तुत की जानी है। ई-निविदा में भाग लेने के लिए डिजिटल सर्टिफिकेट, इन्फोरमेशन टेक्रोलॉजी एक्ट 2000 के तहत प्राप्त करना होगा, जो इलेक्ट्रोनिक निविदा में लॉगिन/साइन करने हेतु काम में आयेगा। निविदादाता उपरोक्त डिजिटल सर्टिफिकेट सीसीए (CCA) द्वारा द्वारा स्वीकृत एजेन्सी से प्राप्त कर सकते है। जिन निविदादाताओं के पास पूर्व में वैद्य डिजिटल सर्टिफिकेट है उन्हें नया सर्टिफिकेट लेने की आवश्यकता नहीं है।
2. मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) का जिलवार एवं उनके आवेदन शुल्क, आरक्षित राशि, अमानत राशि, थरोहर राशि, पंजीकरण शुल्क का विवरण विभागीय वेबसाईट https://exeise.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।
3. ई-निविदा में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा`दिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) का फार्म डाउनलोड करके फार्म के साथ प्रक्रिया शुल्क, आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि के चालान राजकोष में ऑनलाईन/ऑफलाईन जमा करवाकर चालानों की प्रति अपलोड करनी होगी। इन राशियों के जमा नहीं होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदादाता को निम्नलिखित राशियां उनके सामने उल्लेाति राजकोष मद में जमा करवानी होगी-

क्र.सं.	विवरण	राशि (रूपये में)	राजकोष लेाखा मद
1	RISL की प्रक्रिया/पंजीकरण शुल्क	रू. 2000/-	8658-00-102-(16)-01 (सिविल विभाग)
2	आवेदन शुल्क	आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 के बिन्दु संख्या 2.6.1 के अनुसार रू. 50,000/- (2 करोड रूपये तक की आरक्षित राशि हतु) रू. 1,00,000/- (2 करोड रूपये से अधिक की आरक्षित राशि हेतु)	0039-00-501-01-00 (आवेदन शुल्क)
3	अमानत राशि	निर्धारित आरक्षित राशि का 2 प्रतिशत	8443-00-103-00-00 (प्रतिभूति जमा)

ई-प्रोक पोर्टल से प्रक्रिया शुल्क, निविदा शुल्क एवं अमानत राशि का एक चालान जनरेट करने पर लोखा मद 0075-00-800-52-01 (निविदा प्रपत्र शुल्क) में राशि रू. एक रूपया जमा करवाकर आवेदन शुल्क का चालान पृथक से राजकोष में मद 0039-00-501-01-00 में किया जा सकती है।

4. आरक्षित राशि से कम राशि की निविदा प्राप्त होने पर स्वीकृति के संबंध में सक्षम स्तर से निर्णय लिया जायेगा। किसी भी निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करन के समस्त अधिकार आबकारी आयुक्त का होंगे।
5. स्वीकृत निविदादाता को थरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस ई-निविदा के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तो जो विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है के अनुसार जमा करानी होगी।
6. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा थरोहर राशि अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
7. वर्ष 2025-26 के पात्र अनुज्ञाधारियों को क्रमश वर्ष 2026-27, 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तो पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
8. मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-निविदा में भाग ले सकेंगे जो राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश, आबकारी नीति वर्ष 2025-29 तथा प्रारूप अनुज्ञा पत्र इत्यादि https://excise.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है जिनका ई-निविदा में भाग लेने से पूर्व भली भांति अध्ययन कर लेना चाहिए। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।
9. ई-निविदा के संबंध में अन्य प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 एवं राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेंगे।
10. ई-निविदा के संबंध में यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है तो न्यायिक क्षेत्र संबंधित जिला ही रहेगा।

EXC2425A0196

(शिवप्रसाद नकाते) आबकारी आयुक्त, राजस्थान

DIPR/C/_____/2025

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

क्रमांक - बीविप्रा/स्टोर/2024-25/30303 दिनांक :- 21/03/2025

कम्प्यूटर ऑपरेटर हेतु दर संविदा-निविदा सूचना संख्या स्टोर 07

बीकानेर विकास प्राधिकरण में अप्रेल 2025 से एक वर्ष तक की अवधि के लिए कम्प्यूटर ऑपरेटर अनुमानित लागत रुपये 60.00 लाख की सेवाएँ उपलब्ध करवाने हेतु पंजीकृत मान्यता प्राप्त सेवा प्रदाताओं से खुली बोली के माध्यम से दर संविदा हेतु दिनांक 02.04.2025 तक E-Proc http:/eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से बिड/बोली आमंत्रित की जाती है। UBN No.: ITB2425SLOB00142

क्र. सं.	बोली का विवरण	अनु. लागत राशि (रु. में)	बोली प्रतिभूति राशि (रु. में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रु. में)	राजकॉम इनफार्मेशन लिमिटेड शुल्क (रु. में)	बोली प्रपत्र डाउनलोड करने की अवधि (दिनांक व समय)	बोली प्रपत्र अपलोड करने की अवधि (दिनांक व समय)	तकनीकी बोली खोलने की दिनांक व समय
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	कम्प्यूटर ऑपरेटर	60,00,000/-	1,20,000/-	1000/-	1500/-	22.03.2025 3:00 PM	02.04.2025 1:00 PM	02.04.2025 3:00 PM

बोली का विस्तृत विवरण E-Proc (http:/eproc.rajasthan.gov.in) तथा www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा/डॉउनलोड किया जा सकता है।

राज.संवाद/सी/24/13894 आयुक्त

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)

पता :– सी0ए0डी0 सर्किल, दशहरा ग्राउण्ड, कोटा
ई–मेल :– nnksouth@gmail.com website :www.Kotamc.org

क्रमांक :– ननिकोद/गौशाला/2025/19113–24 दिनांक :– 20.03.2025

CORRIGENDUM

नगर निगम कोटा दक्षिण के निविदा सं. न.नि.को./दक्षिण/गौशाला/2025/18299–310 दिनांक 03.03.25 में सवेदको से प्राप्त पत्र के आपत्ति के कारण निविदा की शर्तों में आंशिक संशोधन किया जा रहा है। जो कि निम्नानुसार है

क्र.सं.	पूर्व की शर्त	संशोधित शर्त
बिन्दु सं. 12 के क्रम 7	विगत 3 वर्षा का न्यूनतम 12.50 लाख रूपये का टर्न ऑवर लगाया जाना होगा। जो कि C.A द्वारा प्रमाणित होना आवश्यक है।	3 वर्षो का न्यूनतम 12.50 लाख रूपये का टर्न ऑवर (2021–22, 2022–23, 2023–24) जो कि C.A द्वारा प्रमाणित प्रमाण पत्र सलंग्न करना होगा। एवं उपरोक्त 3 वर्षो का टर्न ऑवर एवं आई टी आर, बैलेन्स शीट लाभ–हानि खाता की प्रति, एवं आडिट रिर्पोट (2021–22, 2022–23, 2023–24) जो कि C.A द्वारा प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
बिन्दु सं. 10	विगत 3 वर्षो में सरकारी कार्यों में कुल लागत संलग्न सम्बन्धित आपूर्ति कार्य तथा गैहूँ का भूसा आपूर्ति, चावल की पराली व भूसा आपूर्ति, सोयाबिन का भूसा, चने का भूसा आपूर्ति इत्यादि का 50% राशि का अनुभव आवश्यक है इस हेतु विदाता को राजकीय विभाग/बोर्ड/स्वायतशाषी संस्था आवश्यक निगम में कार्य आदेश सलंग्न करने होगे।	3 वर्षो का सरकारी कार्यो में सम्बंधित आपूर्ति कार्य यथा गैहूँ का भूसा आपूर्ति, चावल की पराली व भूसा आपूर्ति, सोयाबिन का भूसा, चने का भूसा, हराचारा आपूर्ति इत्यादि का 50% राशि का अनुभव आवश्यक है इस हेतु निविदादाता को राजकीय विभाग/बोर्ड/स्वायतशाषी सस्था निगम द्वारा जारी अनुभव प्रमाण–पत्र सलंग्न करने होगे।

नोट :- निविदा की शेष शर्ते यथावत रहेगी।

उपायुक्त गौशाला नगर निगम, कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/24/13929

किशोर की निर्मम हत्या के विरोध में रैगर समाज के लोगों में आक्रोश

मुआवजा दिलवाने सहित अन्य मागों को लेकर धरने पर बैठे लोग

निवाई, (निसं)। सोमवार को नला रोड पर स्थित कच्ची बस्ती में एक किशोर की हुई निर्मम हत्या के बाद मंगलवार की सुबह आक्रोशित रैगर समाज के लोगों ने मृतक के परिजनों के साथ बस स्टैंड पर धरना दिया।

जानकारी के अनुसार सोमवार को किशोर की हत्या के बाद परिजनों ने मुआवजा दिलवाने व संविदा पर नौकरी दिलवाने की मांग करते हुए मृतक के शव को लेने से मना कर दिया था और अस्पताल में धरने पर बैठ गए थे। मंगलवार की सुबह नौ बजे बस स्टैण्ड पर रैगर समाज के आक्रोशित लोग परिजनों के साथ एकत्रित हुए और बीच सड़क पर धरना देकर रास्ता जाम कर दिया। धरनार्थी पीड़ित परिवार को 50 लाख की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी, आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने, घटना की पुनरावृर्ति को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम करने व सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने की मांग कर रहे थे। रैगर समाज द्वारा धरना देने की सूचना मिलने पर एसडीएम सुरेशकुमार हरसोलिया, डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा, थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा व सदर थानाधिकारी हीरालाल वर्मा मौके पर पहुंचे। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने रैगर समाज के प्रतिनिधि मंडल व परिजनों से लगातार बातचीत कर समाधान ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इसके बाद विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी व भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय पारीक मौके पर पहुंचे और धरनार्थियों से समझाइश की। प्रशासन ने धरनार्थियों को आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। मौके पर ही पीड़ित परिवार को सम्बल प्रदान करने के लिए विधायक रामसहाय वर्मा ने 51 हजार, पालिकाध्यक्ष इसरानी ने 51 हजार व भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय पारीक ने 51 हजार तथा रैगर समाज ने 1 लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है।

विधायक रामसहाय वर्मा, पालिकाध्यक्ष इसरानी आदि ने सहायता प्रदान की।

- विधायक वर्मा के आश्वासन के बाद रैगर समाज के लोगों ने धरना समाप्त किया

इस दौरान विधायक रामसहाय वर्मा ने प्रशासन से 10 दिन में आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने पर स्वयं धरने पर बैठने की चेतावनी दी। इसके बाद करीब 22 घंटे बाद धरना समाप्त हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस दौरान अखिल भारतीय महासभा के जिलाध्यक्ष शंकरलाल हाथीवाल के नेतृत्व में एसडीएम हरसोलिया को पांच सूत्रिय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

4747 गैंग का मुख्य सरगना पूरण गुर्जर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की पुर थाना पुलिस ने 4747 गैंग के मुख्य सरगना पूरण गुर्जर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर रिमाण्ड पर लिया है। वहीं गैंग के संचालन के बारे में भी जांच जारी है।

उप पुलिस अधीक्षक श्यामसुंदर विश्नोई ने बताया कि पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र यादव के निर्देश पर पुलिस अपराधियों पर लगातार शिकंजा कस रही है। इसी के चलते लम्बे समय से फरार और भीलवाड़ा में गैंग का संचालन करने वाले पूरण गुर्जर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गुर्जर एचबीएस की तरह 4747 नाम से गैंग का संचालन करता है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर रिमाण्ड पर लिया है। वहीं गैंग के संचालन के बारे में भी जांच जारी है। सूत्रों का कहना है कि 4747 ग्रुप के नाम से गैंग चलाने वाला पूरण गुर्जर कभी एचबीएस के गोपाल गुर्जर का खास दोस्त हुआ करता था, लेकिन किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया और दोनों ने अपनी-अपनी गैंग बनाकर अपराध की दुनिया में कदम रखा। गोपाल गुर्जर को कुछ समय पहले मांडल पुलिस ने गिरफ्तार कर उसकी परेड निकाली थी, जबकि पूरण गुर्जर 10 हजार का इनामी अपराधी होने के साथ ही उस पर डेढ दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसे उप पुलिस अधीक्षक विश्नोई ने 87 किलो गांजे के मामले में गिरफ्तार किया है और वह पिछले 5 माह से फरार था। पूरण गुर्जर नागा का बाड़िया का रहने वाला है।

पांच माह से फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

- पुलिस ने पूरण गुर्जर को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया

थर्मल पावर प्लांट में ब्रेकर में ब्लास्ट, श्रमिक का हाथ झुलसा

सूरतगढ़, (निसं)। सुपर थर्मल पावर प्लांट की सब-क्रिटिकल परियोजना की छठी इकाई के ऐश हैंडलिंग प्लांट के कम्प्रेशर ब्रेकर में ब्लास्ट होने से एक श्रमिक झुलस गया। वहीं, साथ में काम कर रहे तकनीकी कर्मचारी की आंखों में भी फ्लैश ओवर हो गया।

जानकारी के अनुसार यह घटना शाम की बताई जा रही है, जब थर्मल प्लांट की 250 मेगावाट क्षमता वाली छठी इकाई के ऐश हैंडलिंग प्लांट के कम्प्रेशर ब्रेकर में विस्फोट हुआ। इस दौरान वहां काम कर रहे रायांवाली निवासी श्रमिक चेतराम पुत्र ओमप्रकाश लुणा का हाथ झुलस गया, जबकि साथ में काम कर रहे तकनीकी कर्मचारी नंदलाल लोहरा की आंखों में फ्लैश ओवर हो गया। घायल श्रमिक और तकनीकी कर्मचारी को आवासीय कॉलोनी की डिस्पेंसरी ले जाया गया, जहां दोनों का प्राथमिक उपचार किया गया। विद्युत उत्पादन मजदूर यूनियन (इंटक) के प्रदेश महामंत्री श्याम सुंदर शर्मा ने बताया कि सुरक्षा बैठकों में बार-बार स्विच गियर पैनल्स में होने वाले ब्लास्ट का मुद्दा उठाने और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रखरखाव के अभाव में ब्रेकर में अक्सर विस्फोट होते रहते हैं, जिससे कर्मचारी और श्रमिक झुलस जाते हैं। कुछ वर्ष पूर्व भी पांचवीं इकाई के पैनल में ब्लास्ट होने से एक तकनीकी कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गया था, जिसकी इलाज के दौरान जयपुर में मृत्यु हो गई थी। उन्होंने स्विच गियर में काम करने वाले तकनीकी कर्मचारियों के लिए केबिन और सुरक्षा संसाधन उपलब्ध कराने, पैनलों का नियमित रखरखाव करवाने तथा व्यवस्था में सुधार करने की मांग की है। शर्मा ने इस घटना के संदर्भ में कहा कि जब काम कर रहे तकनीकी कर्मचारी की ओर से शटडाउन लिया गया था, तो फिर ब्रेकर में सप्लाई चालू होना बहुत बड़ी लापरवाही है। इस संबंध में जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

एक गिरफ्तार

हिंडौन सिटी, (निसं)। क्षेत्र में सदर थाना पुलिस ने एक कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने गांव खेड़ा जमालपुर के स्कूल के पास से एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान गावड़ा निवासी माधो सिंह मीना के रूप में हुई है। आरोपी के पास से 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।

हैड कांस्टेबल भल्लू सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। टीम को सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति स्कूल के आसपास हथियार के साथ घूम रहा है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया।

आग लगने से 10 बीघा जंगल जलकर राख

नारायणपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत विजयपुरा में मंगलवार को बिजली ग्रिड के पास अचानक आग लग गई, जिससे करीब 10 बीघा जंगल जलकर राख हो गया। आग इतनी भयावह थी कि इसमें विलायती बबूल सहित कई वनस्पतियां, वन्यजीव और वन संपदा पूरी तरह नष्ट हो गई। आग लगने की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया। विराटनगर और बानसूर से दमकल की गाड़ियां मौके पर बुलाई गई। दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

समय रहते आग पर नियंत्रण पाने से आसपास के क्षेत्र में बड़ा नुकसान होने से टल गया। आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है, लेकिन प्रशासन इस मामले की गहराई से जांच कर रहा है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके और पर्यावरण को नुकसान से बचाया जा सके। आग बुझाने के दौरान सरपंच मोहन लाल वर्मा, थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा, कानूनगो अशोक योगी और पटवारी शिवानी यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे।

- आग इतनी भयावह थी कि इसमें विलायती बबूल सहित कई वनस्पतियां, वन्यजीव और वन संपदा नष्ट हो गई

हुमारा को वापस पाकिस्तान भेजा

अनूपगढ़, (निसं)। गत 17 मार्च को अनूपगढ़ के गांव 30 एपीडी में स्थित विजेता पोस्ट पर पकड़ी गई पाकिस्तानी महिला हुमारा को बीएसएफ ने वापस पाकिस्तान भेज दिया है। महिला भारत-पाकिस्तान बॉर्डर की तारबंदी पार कर भारतीय क्षेत्र में घुस गई थी। इस पर बीएसएफ के जवानों ने उसे हिरासत में ले लिया। अनूपगढ़ पुलिस उसे जॉइंट इंटेरोगेशन सेल जेआईसी ले गई। असिस्टेंट कमांडेंट दीपेंद्र रमन ने बताया कि एजेंसियों ने महिला से पूछताछ की। इसके बाद उसे वापस भेजने का निर्णय लिया गया। 25 मार्च दोपहर 2.30 बजे बिंजोर पोस्ट से हुमारा को पाकिस्तानी रेंजर्स को सुपुर्द कर दिया गया। इससे पहले बीएसएफ की ओर से टीम का गठन किया गया। जीरो लाइन पर पाकिस्तानी सेना से बातचीत और कागजी कार्रवाई के बाद महिला को पुशबैक किया गया।

दिया कुमारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग पचपदरा बागुंडी खण्ड का निरीक्षण किया

बालोतरा/जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को बालोतरा जिले में निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग-25 के पचपदरा-बागुंडी खण्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान काम की धीमी गति को लेकर उप मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए ठेकेदार, अधीक्षण अभियंता एवं अधीशाषी अभियंता एनएच वृत जोधपुर को नोटिस देने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य अभियंता एनएच को 15 दिन में उक्त सड़क मार्ग की वास्तविक रिर्पोट को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-25 के पचपदरा-बागुंडी खण्ड (लम्बाई 22किमी) का निर्माण कार्य वर्ष 2022 में शुरू हुआ था जो कि दिसम्बर 2024 में पूरा किया जाना था। उक्त मामले में मार्च 2025 तक का एक्सटेंसन मिलने के बावजूद भी लगभग 60 प्रतिशत निर्माण कार्य ही पूरा कराया है। उपमुख्यमंत्री ने मुख्य अभियंता एनएच को जल्द इस कार्य को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करवाने के निर्देश दिए।

- निर्माण कार्य में देरी पर नाराजगी जताई, नोटिस देने के निर्देश दिये

वरिष्ठ सहायक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टोंक टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए कार्यालय उप पंजीयक टोंक के वरिष्ठ सहायक विजेन्द्र कुमार मीना को एक हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपित वरिष्ठ सहायक यह रिश्वत भारतीय मुद्रांक विक्रेता लाइसेंस नवीनीकरण करवाने की एवज में मांगी थी। एसीबी की ओर से पूछताछ की जा रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की टोंक टीम को पीड़ित ने शिकायत दी कि उसकी भारतीय मुद्रांक विक्रेता लाईसेन्स नवीनीकरण करवाने की एवज में दो हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। इय पर मांग सत्यापन के दौरान आरोपी की ओर से डेढ हजार रुपये की रिश्वत लेने पर सहमत हुआ। साथ ही सत्यापन के दौरान पीड़ित से पांच सौ रुपये प्राप्त किये तथा शेष राशि के एक हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते मंगलवार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। कोटा में नीट की कोचिंग कर रहे 17 साल के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। वह अपने कमरे में फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव उतारा और हॉस्पिटल लेकर गए। हादसा जवाहर नगर थाना इलाके का है। जवाहर नगर थाना अधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि छात्र बिहार के नालंदा का रहने वाला था। जवाहर नगर इलाके में हॉस्टल में रहता था। वह आज सुबह अपने कमरे से बाहर नहीं निकला। हॉस्टल संचालक ने दोपहर करीब साढ़े बारह बजे पुलिस को सूचना दी।

पचपदरा रिफाइनरी में चोरी करने वाली शातिर गैंग का पर्दाफाश

बालोतरा, (निसं)। पचपदरा रिफाइनरी में चोरी करने वाली शातिर गैंग का पर्दाफाश करते हुए 7.5 क्विंटल एल्युमिनियम की चद्दर व घटना में प्रयुक्त बस जब्त की है। पुलिस ने कंपनी के सुपरवाईजर ललित सहित शातिर गैंग के सदस्य रेवंत, ओमप्रकाश, किशोर उर्फ केशा व रमेशनाथ को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक बालोतरा हरिशंकर ने बताया कि जिले में सम्पत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जारी-निर्देशानुसार गोपालसिंह भाटी आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा व अशोक जोशी आरपीएस, वृताधिकारी पचपदरा के निकटतम सुपरविजन में अमराराम निपु. थानाधिकारी पचपदरा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा रिफाइनरी में चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए चोरी का 7.5 क्विंटल एल्युमिनियम की चद्दर व घटना में प्रयुक्त बस को जब्त कर सुपरवाईजर ललित कुमार सहित गैंग के सदस्य रेवंत कुमार, ओमप्रकाश, किशोर उर्फ केशाराम व रमेशनाथ को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जानकारी के अनुसार 21 मार्च को गश्त के दौरान रिफाइनरी गेट नंबर 4 के आगे बस व कुछ व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में होने पर थाना पचपदरा की पुलिस टीम द्वारा सख्ती से पूछताछ की तो रिफाइनरी में काम कर रही निर्मल इन्सुलेशन कंपनी के सुपरवाईजर ललित कुमार से मिलीभगत कर चोरी करने वाली शातिर गैंग द्वारा एल्युमिनियम की चद्दरें निकलवाने की योजना बनाना ज्ञात हुआ। जिस पर सुपरवाइजर ललित कुमार सहित चोरी करने वाली गैंग के सदस्य रेवन्त कुमार उर्फ रेवन्तराम, ओमप्रकाश व बस चालक किशोर उर्फ केशाराम को दस्तयाब किया गया।

पुलिस ने कंपनी सुपरवाइजर ललित सहित गैंग के सदस्य रेवंत, ओमप्रकाश, किशोर उर्फ केशा व रमेशनाथ को गिरफ्तार किया।

- 7.5 क्विंटल एल्युमिनियम की चद्दर व घटना में प्रयुक्त बस जब्त

पूछताछ में बताया कि ओमप्रकाश की बोलेरो गाड़ी पहले रिफाइनरी में लगी हुई थी जो रिफाइनरी से चोरी करते वक्त पकड़ा जाने से उसकी बोलेरो गाड़ी ब्लैकलिस्ट कर रिफाइनरी से बाहर निकाल दी गई। ओमप्रकाश के पहले से निर्मल इन्सुलेशन कंपनी के सुपरवाइजर ललित कुमार से जान-पहचान व सांठ-गाठ होने से ओमप्रकाश व ललित कुमार ने कंपनी से एल्युमिनियम की चद्दरें चोरी कर कबाड़ी को बेचने की योजना बनाई मगर ओमप्रकाश व ललित कुमार के पास एल्युमिनियम की चद्दरें चोरी करके रिफाइनरी से बाहर निकालने के लिए साधन नहीं होने से ओमप्रकाश द्वारा अपने दोस्त रेवन्तकुमार उर्फ रेवन्तराम को एल्युमिनियम की चद्दरें चोरी कर रिफाइनरी से निकालने के लिए रिफाइनरी में लगे किसी साधन वाले व्यक्ति से सम्पर्क करने को कहा। तब रेवन्तकुमार उर्फ रेवन्तराम ने किशोर उर्फ केशाराम से सम्पर्क कर रिफाइनरी में लगी उसकी बस से एल्युमिनियम की चद्दरें चोरी करवाकर बाहर निकालने के लिए तैयार किया। किशोर उर्फ केशाराम जो रिफाइनरी में बस से मजदूरों को लाने व ले जाने का काम करता है। करीबन 8-10 दिन पूर्व आरोपियों द्वारा मजदूरों को लाने के लिए बस अंदर ले जाकर सुपरवाइजर ललित कुमार की मदद से 3.3 क्विंटल व उसके दो दिन बाद करीब 4.2 क्विंटल इस प्रकार कुल 7.5 क्विंटल एल्युमिनियम की चद्दरें चोरी करके बस की डिक्की में डालकर कबाड़ी रमेशनाथ जोगी निवासी शिव चौराहा बालोतरा को ले जाकर बेचा गया। आरोपी ओमप्रकाश व रेवन्तकुमार उर्फ रेवन्तराम ने चोरी करने से पूर्व कबाड़ी रमेशनाथ से सम्पर्क कर चोरी की एल्युमिनियम की चद्दरें खरीदने हेतु तय कर लिया था। आरोपी ओमप्रकाश द्वारा पूर्व में भी रिफाईनरी से चोरी करने के संबंध में प्रकरण दर्ज है। उक्त घटना पर प्रकरण दर्ज किया जाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पॉक्सो का दोषी फिर से नाबालिगों से छेड़छाड़ में पकड़ा

अनूपगढ़, (निसं)। यहां पॉक्सो में साढ़े आठ साल की सजा काट चुके आरोपी द्वारा दो नाबालिग छात्राओं से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घटना के अनुसार दो 13 वर्षीय सहेलियां सुबह स्कूल जा रही थीं। रास्ते में ईंट-भट्ठे पर काम करने वाले आरोपी रामकुमार (35) ने उन्हें रोक लिया। उसने दोनों लड़कियों का हाथ पकड़ लिया। आरोपी ने उन्हें पार्टी के लिए कहा। खाने-पीने की चीजें देने का लालच भी दिया। रामकुमार ने अपना फोन नंबर एक पर्ची पर लिखकर जबरदस्ती लड़कियों को दे दिया। डर के मारे दोनों लड़कियां भागकर घर पहुंची। एक पीड़िता ने रोते हुए अपने पिता को पूरी घटना बताई। जब इस घटना की जानकारी ईंट भट्ठे के अन्य मजदूरों को मिली, तो उन्होंने रामकुमार की जमकर पिटाई की। फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस जांच में पता चला कि रामकुमार पहले भी पॉक्सो केस में जेल जा चुका है। जेल से छूटने के बाद वह मजदूरी कर रहा था।

- स्कूल जा रही दो 13 साल की बच्चियों को रोका, आरोपी की पिटाई की

सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति का धरना 87वें दिन भी लगातार जारी

सांचोर, (नि.सं.)। सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति का धरना 87वें दिन भी लगातार जारी है। सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति ने बताया कि आज 87 वें दिन सांचोर अतिरिक्त जिला कलेक्टर एंव अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सांचोर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन ग्राम पंचायत परावा ग्रामीणों द्वारा पेश किया।

पूर्व राज्यमंत्री सुखराम बिश्नोई ने कहा कि सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में आज 87 वें दिन धरना जारी है। सरकार समझ ले जो सांचोर जिले को निरस्त किया है जिसको नियमानुसार बहाल कर दें। सांचौर जिला जो जालोर जिले से 145 कि.मी. दूर व अंतिम गांव आकोड़ियां, रणखार करीब 250 किमी दूर हैं। सरकार ने कौनसे आधार पर सांचोर जिले को निरस्त किया, कोई स्पष्ट नहीं हैं। जिला बनने से जिला मुख्यालय नजदीक होने पर आमजन के लोगों के सभी जिले स्तर के कार्य जल्द होते थे। वर्तमान सरकार आमजन का तवरित कार्य नहीं करना चाह रही है और आमजन को इधर-उधर भटकाकर आर्थिक नुकसान करना चाहती है। वर्तमान सरकार सांचोर जिले को किस आधार पर निरस्त किया, हमने सम्पूर्ण प्रूफ के साथ कोर्ट में याचिका दायर की है जिसकी न्यायपालिका नियमानुसार निस्तारण करेंगी तथा सरकार ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय बंद कर पुन: खोला है। हम एडीएम कार्यालय से धरना समाप्त नहीं करने वाले हैं। हमारा जिला घोषित नहीं होता है तब तक हम धरना समाप्त नहीं होगा।

सेवानिवृत अध्यापक केशाराम मेहरा धमाना ने धरने का संचालन किया। ग्रामीणों का धरने को समर्थन मिला, जिसमें साजिबसंस के संयोजक अधिवक्ता भीमाराम चौधरी, हनुमान पंवार सरपंच प्रतिनिधि, पूर्ण सिंह राजपूत, जालाराम सारण, थानाराम मेघवाल, पाबुराम बिश्नोई, दानाराम ने धरने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार सांचोर की जनता के साथ भेदभाव रवैया अपना रही है। सांचोर जिले को पुन: जिला बनाकर रहेंगे। सांचोर जिले को किस आधार पर निरस्त किया अगर जिला निरस्त करने योग्य था तो फिर कार्यालय किस आधार पर खोला, सांचोर जिला नहीं रखने का कारण है कि वर्तमान में सरकार में बैठे लोगों ने कोई पैरवी नहीं की थोड़ी सी सही ढंग से पैरवी करते तो सांचोर जिला निरस्त नहीं होता, हम ज्ञापन के जरिये बताया कि जब तक सांचोर जिला पुन: घोषित नहीं होता है तब तक हमारा धरना जारी रहेगा।

धरने में मगसिंह राजपूत, पंचायत समिति सदस्य ओमप्रकश मेघवाल, नाथाराम, रामचंद्र बिश्नोई, सुरेश सारण, गोपाल सारण, सुरजन सारण, घेवाराम कांवा, भेराराम सारण, पुनमाराम, मोहनलाल पुरोहित, जयकिशन सारण, तेजराम, भेराराम धायल, छगनलाल पुरोहित, पीराराम सुथार, घेवाराम मेघवाल, आइदंरम मेघवाल, जगदीश, कोजाराम लोल, बाबुलाल सारण, भागीरथ, आसुराम लोल, मालाराम गोदारा, रुघनाथ सारण, मोहनलाल खिलेरी, सुरजन, तुलसाराम, किशनलाल, आसुराम देवासी, लादूराम भादू, पाबुराम, पूनमचंद, रिदमल, रामकिशन, भाखराराम, हिमताराम, चौखाराम, दानाराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति के धरने को वक्ताओं ने संबोधित किया।

नीमकाथाना जिला हटाए जाने के विरोध में धरना जारी

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना को जिला बनाए जाने की मांग को लेकर बुधवार को ग्राम पंचायत आगवाड़ी में धरना प्रदर्शन जारी रहा। इस क्रमिक भूख हड़ताल में प्रमुख रूप से जयदयाल शर्मा, राजेन्द्र मीणा, रामकुमार यादव, लक्ष्मण यादव, सांवलराम टाटला, गिरधारी, गुलाब यादव, पाबूदान सिंह, छगन शर्मा, चौथमल शर्मा, ख्याली स्वामी, कजोड़ मल, हनुमान सिंह, दशरथ सिंह, तुलसाराम, पंकज वर्मा, धर्मवीर यादव, सुरेन्द्र सिंह, ओमप्रकाश यादव जैसे कई नेता और ग्रामीण शामिल हुए। इन सभी ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए टायर जलाए और नीमकाथाना को जिला बनाए जाने की मांग को लेकर आवाज उठाई।

धरने का समर्थन करने वाले अन्य ठाामीणों में मोहरू यादव, सुल्तान यादव, ओमप्रकाश यादव, प्रकाश चंद यादव, बाबूलाल यादव, प्रभात गुर्जर, सावंलराम सैनी, अशोक बोहरा, सुरेश वर्मा, मदन सिंह, चमन सिंह, राजेन्द्र सिंह, कैलाश तंवर और कालूराम शामिल थे। राजेन्द्र मीणा ने कहा कि नीमकाथाना को जिला बनाए जाने की यह मांग सभी क्षेत्रवासियों की एकजुट अपील है। अगर सरकार इस मुद्दे को नजरअंदाज करती रही, तो इससे न केवल नीमकाथाना, बल्कि पूरे सीकर संभाग में असंतोष और उपेक्षा का माहौल बनेगा। इससे शासन और प्रशासन की नकारात्मक छवि बनेगी, जो किसी भी सरकार के लिए हानिकारक हो सकती है।

प्रभात गुर्जर ने इस विरोध को और भी तीव्र किया और कहा कि वर्तमान सरकार ने नीमकाथाना जिला को जिस तरीके से निरस्त किया है, वह पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है। जनता में भारी आक्रोश है और सरकार के खिलाफ आंदोलन किया जा रहा है। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि नीमकाथाना को जिला क्यों निरस्त किया गया, जबकि यह सभी मापदंडों पर खरा उतरता था। यदि सरकार ने इसे राजनीतिक द्वेषता के चलते निरस्त किया, तो इसका खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ेगा। इस धरने के माध्यम से नीमकाथाना के लोग अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने में लगे हुए हैं और उम्मीद है कि सरकार इस मुद्दे पर जल्द फैसला लेकर नीमकाथाना को पुन: जिला बनाने का निर्णय लेगी।

- लोगों ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की

होली मिलन एवं इफ्तार पार्टी में खान बंधुओं का सम्मान किया

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। माहे रमजान में रोजा रखने वाले पत्रकार बंधुओ का जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ राजस्थान जार के सदस्यों ने ना केवल सम्मान किया बल्कि शानदार रोजा इफ्तार पार्टी के साथ होली स्नेह मिलन का आयोजन कर सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश भी दिया है।

शहर के मध्य स्थित फोमो होटल में सोमवार को जार के प्रदेश उपाध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार शहजाद खान, शमशाद खान और दिलशाद खान का होली स्नेह मिलन और रोजा इफ्तार के बाद जार के सदस्यों ने साफा, शाल और फूल मालाओं से सम्मान कर सांप्रदायिक सद्भाव के इस कार्यक्र को बेमिसाल बना दिया। स्थानीय पत्रकारों ने होली और रमजान के मूल मंत्र को आम जनता तक पहुंचाने के लिए जहां रमजान में रोजा खुलवाकर त्याग तपस्या और भाईचारे का संदेश दिया।

वहीं होली स्नेह मिलन से बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मना कर एकता का परिचय भी दिया है। कार्यक्रम की शुरुआत ड्राई फूड्स और खजूर के साथ रोजा इफ्तार से की गयी तथा स्नेह भोज के पश्चात रोजेदार खान बंधुओं का सम्मान कार्यक्रम हुआ।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र ओरडिया का सम्मान आयोजन के मुख्य सूत्रधार फर्स्ट इंडिया न्यूज़ चैनल के पत्रकार पंकज गर्ग ने किया।

इस अवसर पर पत्रकार खान ने पत्रकारों की एकता का आ ान कर भाईचारे के इस कार्यक्रम की प्रशंसा की और सभी पत्रकारों का दिल से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार अशोक जैन, मुरली मनोहर सेन, जार के प्रदेश सचिव प्रकाश चपलोत एवं कार्यकारिणी सदस्य संजय लड्ढा, दयाराम दिव्य, विश्वनाथ पाराशर, बृजेश शर्मा, लोकेश तिवारी, महेंद्र नागोरी , राजेश जीनगर, राजीव दाधीच, धीरज कुमार शर्मा, दुर्गेश पानेरी, देवेंद्र कुमार द्विवेदी, बनवारी लाल अग्रवाल , अनिल डांगी, पवन बावरी आदि पत्रकार उपस्थित थे।

अनुपमा संचेती उपाध्यक्ष बनी

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। सामाजिक क्षेत्र में सदैव जरूरतमंद की सेवा में तत्पर प्रमुख समाजसेविका अनुपमा संचेती (बबिता) को ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की प्रान्तीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला प्रदेशाध्यक्ष डा.पुष्पा खोखावत उदयपुर ने प्रांतीय अध्यक्ष आनन्द चपलोत भीलवाड़ा की सहमति से जीवन प्रकाश योजना प्रान्तीय अध्यक्ष अशोक पालडेचा ब्यावर की अनुशंसा पर बबीता संचेती को प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया।

इनके मनोनयन पर चंचल मुणोत, सोनिया सुराणा, चंद्रकला कुम्मठ, सुमन बरडिया, अंजु मोदी, शीला कोठारी, मधु मेहता, मीना मोदी, मधु चोरडिया आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सीताराम पुत्र स्व. पन्नालाल के दादा पावुदीन की एक सम्पति जो वाके गली नं- 08 नायक वस्ती, सुभाष नगर, अजमेर में स्थित है जो कि खसरा नम्बर - 6900 (पुराना) व हाल खरारा नम्बर - 8570 का भाग है को पावुदीन ने जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र 18.01.1947 को लखमी चन्द वल्द तुलछा, गढी मालियान, अजमेर से खरीद की है जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय, अजमेर के यहां दिनांक 10.09.1947 को हुआ है।

उक्त असल विक्रय पत्र कही गुम हो गया है। पावूदीन, पावूदीन की पत्नी व पुत्र का निधन हो चुका है तथा पावूदीन के पौत्र सीताराम व राजेन्द्र नायक ने उक्त सम्पति का दिनांक 22.01.2025 को रजिस्टर्ड बंटवारानामा कर लिया और बंटवारा - विलेख के अनुसार सीताराम के हक व हिस्से में 159.71 वर्गगज सम्पति आई

उक्त सम्पति EQUITAS SMALL FINANCE BANK LTD.. शाखा- आदर्श नगर, अजमेर में रहन रखा जाना प्रस्तावित है। उक्त सम्पति के मालिकाना हक बाबत् यदि किसी वारिसान, दीगर व्यक्ति/ संस्था को आपत्ति हो तो आम सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में सूचित करें। बाद गुजरने मियाद आपत्ति अमान्य होगी । सो सूचित रहे ।

अजमेर
दिनांक 24.03.2025

विनोद अजमेरा
एडवोकेट

राणा सांगा पर अमर्यादित टिप्पणी का विरोध जताया

अजमेर, (का.सं.): समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा महाराणा सांगा पर की गई विवादित टिप्पणी को लेकर मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद अजयमेरू महानगर ने कड़ा विरोध जताते हुए कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और कलेक्टर लोक बंधु को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर समाजवादी पार्टी के सांसद पर कार्रवाई की मांग की।

विश्व हिंदू परिषद अजयमेरु महानगर के अध्यक्ष अजीत अग्रवाल के नेतृत्व में हिंदूवादी संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता रैली के रूप में जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे। बाद में कलेक्टर लोक बंधु को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

भीलवाड़ा संवाददाता के अनुसार : दस्तक संस्था ने राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा महाराणा सांगा पर अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में उपराष्ट्रपति के नाम जिला कलक्टर भीलवाड़ा को ज्ञापन सौंपा।

एडवोकेट कुणाल ओझा ने बताया कि राज्यसभा सांसद की महाराणा सांगा के विरूद्ध अमर्यादित टिप्पणी से न केवल मेवाड़ वरन् पूरे हिन्दुस्तान की भावनाओं को ठेस पहुंची है। इसके विरूद्ध हमारी संस्था ने निंदा प्रस्ताव पास किया।

ज्ञापन देने वालो में दस्तक संस्था के कुणाल ओझा, विक्रम सिंह राठौड़, नोनिहाल सिंह गौड़, भूपेंद्र सिंह कानावत, धर्मवीर सिंह कानावत, नवरत्न जैन, उदय लाल बोराणा, शरद शुक्ला, नरेन्द्र गुर्जर, रोशन सालवी, धर्मेन्द्र तिवाडी, रतन चौधरी, सत्यवीर सिंह, भगवती आचार्य, सुरेश जाट, आरिफ काजी, नवीन माली, पप्पू गुर्जर, अविनाश शर्मा, गौरव पारीक, अनिल गुर्जर, सुरेश जाट, रिंकू तंवर, दीपक पारीक, धनश्याम रेगर समेत दस्तक संस्था के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वहीं कोटड़ी क्षेत्र के युवाओं ने मथुरा लाल जाट के नेतृत्व में राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा महाराणा सांगा पर अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में उपराष्ट्रपति के नाम कोटड़ी तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

एडवोकेट भगवती लाल आचार्य बताया कि हरिशंकर जाट, बलवंत जाट, बनवारी शर्मा, मंगल सिंह, गोविंद सिंह, नरेन्द्र सिंह, नारायण सिंह, राजेन्द्र सिंह, मोनू सिंह, भगवान सिंह, प्रेम सिंह, सूर्यप्रताप सिंह, नारायण जाट, राहुल जाट, सीताराम रायका, करन, दीपक, नारायण जाट समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

महिलाओं को सिलाई मशीनें दी

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। आनंदी श्री संस्था द्वारा रतनलाल कंवरलाल पाटनी फाउंडेशन के सौजन्य से आर के कम्युनिटी में गरीब व बेसहारा महिलाओं को निःशुल्क सिलाई मशीनें वितरण की गई।

समारोह में देवस्थान विभाग अजमेर कमिश्नर गिरीश बच्चानी व सेंट स्टीफन स्कूल अजमेर वाइस प्रिंसिपल दीपा थढ़ानी, मार्बल एसोससियशन अध्यक्ष सुधीर जैन, सीए सी.एम.अग्रवाल व आर के फाउण्डेशन से सुभाष अग्रवाल अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मुख्य अतिथि बच्चानी ने कहा कि आनंदी श्री संस्था कम समय में करीब तीन सौ महिलाओं को प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बना चुकी है, जो वाकई में सराहनीय व ऐतिहासिक उदाहरण है। मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष सुधीर जैन व दीपा थढ़ानी ने संस्था के कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सरला सिलाई मशीन मालिक शंभू व पत्नी बीना ने प्रत्येक मशीन के साथ उपहार दिये। संस्था अध्यक्ष जयश्री अग्रवाल ने बताया कि कृष्णापुरी स्थित आनंदी हाउस से महिलाएं उत्पाद बनाने के लिये कच्चा माल लेकर जाती है और तय समय में अपने घर से उत्पाद बनाकर लाती है, जिसके चलते निरंतर ऑर्डर मिलने लग गये है और महिलाओ को रोजगार मिलने लग गया। संस्था से जुड़ी मीरा, बबीता, अंकिता, राधिका ने बताया कि हम आनंदी से जुड़कर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं, अब हमारे पास अच्छी अंब्रेला मशीनें है। संस्था सचिव सूर्या बंसल, उपाध्यक्ष शिल्पा बरड़िया, सुनीता जैन, मानसी गोयल व उषा वैष्णव ने सहयोग किया। संचालन अंजू अग्रवाल द्वारा किया गया।

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक -न.प.बि/निर्माण स्वी./2024/6008 **आम सूचना** दिनांक : 11.3.2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस मे मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र / आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण				
फाइल नं.	आवेदनकर्ता का नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
336	1. रामचन्द गुर्जर 2 भारमल गुर्जर 3. महाराम गुर्जर 4 रामकिशन गुर्जर पुत्रगण पोलू गुर्जर	प्राज्ञनगर बलर द्वितीय बिजयनगर ख.सं. 793, 794 भू.सं. 14 का उत्तरी -पूर्वी हिस्सा	13.935 SQ.MTR	मिश्रत

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

मूल आवंटी / अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की कोटडा आवासीय योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या 22 क्षेत्रफल 299 वर्गगज के आवंटी श्रीमती पार्वती देवी पत्नी श्री जोगाराम निवासी बेरा-भागोडी, ग्राम कारोलिया तह. जैतारण की मृत्यु दिनांक 2.3.22 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा (पंजीकृत दिनांक 13/12/17) संलग्न कर मृतक द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु श्री अभिनव सीरवी व नमन सिरवी पुत्र हजारी राम निवासी मकान नं.-15, द्वारिका , कुन्दन नगर , अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किए जाने के संबंध में किसी को आपति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी
अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय नगर निगम अजमेर

क्रमांक: न.प.अ/24-25/भवन/928 **आम सूचना** दिनांक: 23/3/2025

श्रीमती शांता जयसिंघानी पत्नि श्री राजेन्द्र प्रसाद जयसिंघानी निवासी 7 सिन्धुवाडी ए मयाणी हॉस्पीटल के पास आशागंज अजमेर द्वारा एक दुकान संख्या 2 ए.एम.सी. नं. 4/10, 16/24 का एक भाग है जो वाके पुरानी मण्डी अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 21.17 व.मी. है भूमि के मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार हैं।

पूर्व : सम्पति श्री शंकरलाल की
पश्चिम : 15 फुट चौडा रास्ता
उत्तर : दुकान सं. 2 व 3 के मध्य की शामलाती दीवार तत्पश्चात् उक्त ए.एम. सी. नं. की भाग सम्पति में स्थित दुकान संख्या 03
दक्षिण : दुकान सं. 1 व 2 के मध्य की शामलाती दीवार तत्पश्चात् उक्त ए. एम.सी. नं. की भाग सम्पति में स्थित दुकान संख्या 01 जिसके बाद श्रीं टांकी की सम्पति

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/ संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा ।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन/2024-25/922 **आम सूचना** दिनांक: 20/3/2025

श्री रामधन सोनी पुत्र श्री रामनिवास सोनी निवासी 13/251 घी मण्डी नया बाजार अजमेर एवं श्रीमती कविता सोनी पत्नी श्री रामधन सोनी निवासी 297 / 29 नया बाजार अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी नं. 13/252 अंकित है एवं ए. एम. सी. नं. 13 / 253 पुराना का ग्राउण्ड फ्लोर का भाग है, जो वाके घी मण्डी नया बाजार अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 60.63 वर्गमीटर है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारि त प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं । प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार हैं।

पूर्व : अन्य की दुकान
पश्चिम : रास्ता आम घी मण्डी दरवाजा
उत्तर : रास्ता आम सड़क नया बाजार व ज त्यदाद ए. एम.सी. नं. 13 / 253 का भाग व अन्य की दुकान
दक्षिण : रास्ता आम घी मण्डी

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर - अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा ।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा जिला-भीलवाड़ा (राजस्थान)

भीलवाडा राड रोडवेज बस स्टैण्ड के पास

E-Mail ID-combebp@yahoo.in spbgulabpura@gmail.com Telephone No.01483-223079

क्रमांक न.पा.गु/कृषि-भूमि/2025/2040-42 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक : 18.3.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि भूमि नियमन के तहत् पट्टे प्राप्त किए जाने के लिए निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुए है जिसके निस्तारण किए जाने में किसी आम खास / संस्था आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 07 दिवस में लिखित रूप से आपत्तिकर्ता मय अपने दस्तावेजो के इस कार्यालय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपनी आपति दर्ज करवा सकते हैं बाद मियाद आवेदक (अन्तिम क्रेता) के पक्ष में नियमन की कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र. सं	रजिस्टर क्रमांक	दिनांक	नाम आवेदक	खसरा नं.	भूखण्ड सं.	साईज	क्षेत्रफल	इकरारनामा/ रजिस्ट्री
1.	187	7.3.25	श्री आशीष दाधीच पुत्र श्री गोपाल लाल शर्मा गुलाबपुरा	1177/1	07 व 08	25×20	44.44	रजिस्ट्री

अधिशाषी अधिकारी , नगरपालिका गुलाबपुरा

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 1754 दिनांक 25.3.25

जाहिर आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 1/88, अजयनगर, अजमेर क्षेत्रफल 32.18 वर्ग मीटर मूल आवंटी श्री टोपनदास पुत्र श्री चतुमल को आवंटित कर दिनांक 03.05.1985 को मकान का भौतिक कब्जा सौपा गया था। श्री टोपनदास की मृत्यु दिनांक 27.02.1987 को हो जाने के कारण उनकी पुत्रियां सुश्री लाजवन्ती लौंगानी एवं सुश्री पुष्पा लौंगवानी पुत्रियां स्व. श्री टोपनदास द्वारा मृत्यु पश्चात आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। सुश्री लाजवन्ती लौंगानी एवं सुश्री पुष्पा लौंगवानी के पक्ष में श्रीमती भगवती पत्नि स्व0 श्री टोपनदास, श्रीमती दीपा तेजवानी पत्नि श्री महेश कुमार तेजवानी पुत्री स्व. श्री टोपनदास, श्रीमती आसवानी सुशीला राजुभाई पत्नि श्री राजुभाई आसवानी पुत्री स्व. श्री टोपनदास द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अब सुश्री लाजवन्ती लौंगानी एवं सुश्री पुष्पा लौंगवानी ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। सुश्री लाजवन्ती लौंगानी एवं सुश्री पुष्पा लौंगवानी का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है।

अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है । बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी ।

आवासीय अभियन्ता
राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड - अजमेर

सफाई कर्मियों की हड़ताल

अजमेर, (का.सं.)। बकाया मानदेय सहित विभिन्न मांगों को लेकर अजमेर संभाग के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के सफाई कर्मियों की हड़ताल मंगलवार को भी जारी रही। सफाई कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर अस्पताल प्रशासन की ओर से कारगर कदम नहीं उठाए जाने पर विरोध जताया।

पथराव व सड़कों हादसों पर पुलिस ने की मॉक ड्रिल

अजमेर, (का.सं.): अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल से मंगलवार को फरार तीन आतंकियों को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस जवानों ने आतंकियों के पास से भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किया। जिला पुलिस के जवानों की यह कार्रवाई मॉकड्रिल का हिस्सा थी, जिसमें पुलिस ने वास्तविक परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए ऑपरेशन को अंजाम दिया। पुलिस जवानों के अभ्यास के दौरान आतंकियों के फरार होने, उनका पीछा करने और उन्हें ढेर करने, सड़क हादसे और प्रदर्शन के दौरान पथराव से बचने के सुरक्षा उपाय व रणनीति को एडीजी हवा सिंह घुमरिया ने परखा।

इस हाई प्रोफाइल मॉकड्रिल में पुलिस बल ने दिखाया कि किसी भी आतंकी घटना या जेल ब्रेक की स्थिति में वे कितनी तेजी और कुशलता से काम कर सकते हैं। अजमेर पुलिस की इस कार्यवाही में कमांडो दस्ते और विशेष टास्क फोर्स को शामिल किया गया, जिन्होंने शहर के विभिन्न हिस्सों में आतंकियों के भागने की स्थिति में उन्हें घेरने और निष्क्रिय करने की योजना को अमल में लाया। इसी प्रकार मॉकड्रिल के दौरान यह भी जांचा गया कि सड़क हादसे की स्थिति में पुलिस की भूमिका कितनी प्रभावी रहती है। इसके अलावा किसी प्रदर्शन के दौरान उपद्रवियों द्वारा किए जाने वाले पथराव और हिंसक घटनाओं से निपटने के लिए पुलिस की तैयारियों को परखा गया।

एडीजी हवा सिंह घुमरिया ने अजमेर पुलिस लाइन का निरीक्षण किया और जवानों की कार्यक्षमता को परखा। इस दौरान एसपी वंदिता राणा के नेतृत्व में आयोजित परेड का भी जायजा लिया। उन्होंने पुलिस कर्मियों के अनुशासन और प्रशिक्षण को सराहा और उन्हें आधुनिक तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। इस दौरान उन्होंने पुलिस के आला अधिकारियों से रेंज की कानून व्यवस्था पर चर्चा की।

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 1757 दिनांक 25.3.25

जाहिर आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3-ग-3, आनासागर सरक्यूलर रोड़, अजमेर क्षेत्रफल 324.00 वर्ग मीटर मूल आवंटी श्री महेशचन्द चौधरी पुत्र श्री रामचन्द चौधरी को आवंटित कर दिनांक 10.03.1996 को मकान का भौतिक कब्जा सौपा गया था। श्री महेशचन्द चौधरी पुत्र श्री रामचन्द चौधरी ने जरिये इकरारनामा, वसीयतनामा व मुख्त्यारनामा आम के द्वारा आवास का बैचान श्री हरि नरायन सक्सैना पुत्र श्री राज नरायन को कर दिया गया था। श्री हरि नरायन सक्सैना पुत्र श्री राज नरायन सक्सैना के पक्ष में मण्डल द्वारा नियमितिकरण के आदेश जारी किये गये। श्री हरि नरायन सक्सैना पुत्र श्री राज नरायन सक्सैना द्वारा दिनांक 30.03.1995 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा पंजीयन करवा लिया गया है। श्री हरि नरायन सक्सैना पुत्र श्री राज नरायन सक्सैना की मृत्यु हो जाने के कारण उनकी पत्नि श्रीमती निर्मला सक्सैना के पक्ष में मण्डल द्वारा मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण के आदेश जारी किये गये । श्रीमती निर्मला सक्सैना पत्नि स्व. श्री हरि नरायण सक्सैना ने आवास का बैचान श्री गिरीश बत्रा, श्री मनीष बत्रा एवं श्री मुकेश बत्रा पुत्र श्री गुरूमुख दास बत्रा को दिनांक 14.06.2019 को कर दिया गया । मण्डल द्वारा श्री गिरीश बत्रा, श्री मनीष बत्रा एवं श्री मुकेश बत्रा पुत्र श्री गुरूमुख दास बत्रा के पक्ष मे दिनांक 17.05.2022 को नामान्तरण के आदेश जारी किये गये। राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3- ग - 4, आनासागर सरक्यूलर रोड़, अजमेर क्षेत्रफल 324.00 वर्ग मीटर मूल आवंटी श्री ओमप्रकाश पाठक पुत्र श्री दुर्गादत्त को आवंटित कर दिनांक 28.11.1985 को मकान का भौतिक कब्जा सौपा गया था। श्री ओमप्रकाश पाठक पुत्र श्री दुर्गादत्त द्वारा दिनांक 26.05.1995 को आवास का पंजीयन करवा लिया गया। पंजीयन पश्चात् श्री ओमप्रकाश पाठक पुत्र श्री दुर्गादत्त द्वारा आवास का बैचान श्री विष्णु कुमार पुत्र श्री सेऊमल एवं श्रीमती पदमा पत्नि श्री विष्णु कुमार को कर दिया गया। श्रीमती पदमा पत्नि स्व. श्री विष्णु कुमार द्वारा आवास का बैचान श्रीमती कान्ता पत्नि श्री गुरूमुखदास बत्रा एवं श्री गुरूमुखदास बत्रा पुत्र श्री रामचन्द को कर दिया गया। मण्डल द्वारा दिनांक 26.06.2012 को श्रीमती कान्ता एवं श्री गुरूमुखदास बत्रा के पक्ष में नामान्तरण के आदेश जारी किये गये। श्रीमती कान्ता एवं श्री गुरूमुखदास बत्रा द्वारा उपहार पत्र श्री गिरीश बत्रा, श्री मनीष बत्रा एवं श्री मुकेश बत्रा पुत्रगण श्री गुरूमुखदास बत्रा के पक्ष में निष्पादित किया गया । मण्डल द्वारा श्री गिरीश बत्रा, श्री मनीष बत्रा एवं श्री मुकेश बत्रा पुत्र श्री गुरूमुख दास बत्रा के पक्ष मे दिनांक 21.02.2025 को परस्पर विक्रय के पश्चात् नामान्तरण के आदेश जारी किये गये। श्री गिरीश बत्रा, श्री मनीष बत्रा एवं श्री मुकेश बत्रा पुत्र श्री गुरूमुख दास बत्रा द्वारा आवास संख्या 3-ग-3 एवम् 3-ग-4 आनासागर सरक्यूलर रोड़, अजमेर का एकीकरण करने के पश्चात् उसके तीन समान भागों में उप-विभाजन करवाये जाने हेतु कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है । बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपति स्वीकार नहीं होगी एवं अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी ।

आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड-अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 1717 दिनांक 18.3.25

जाहिर आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 1-त-21, आनासागर सरक्यूलर रोड, अजमेर श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री कृष्ण दत शर्मा को आवंटित कर दिनांक 26.07.1982 को आवास का भौतिक कब्जा सौपा गया था। श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री कृष्ण दत शर्मा द्वारा दिनांक 16.11.1987 को आवास का पंजीयन करवा लिया गया। श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री कृष्ण दत शर्मा द्वारा मुख्त्यारनामा आम श्री सुनील तुलस्यानी पुत्र श्री गिद्दूमल तुलस्यानी एवं श्री मनोज कुमार वरिन्दानी पुत्र श्री बी.एस. वरिन्दानी के पक्ष में निष्पादित किया गया। मुख्त्यारनामा के आधार पर श्री सुनील तुलस्यानी एवं श्री मनोज कुमार वरिन्दानी द्वारा आवास का बैचान श्रीमती सिमरन तुलस्यानी पत्नि श्री सुनील तुलस्यानी को किया गया। श्रीमती सिमरन तुलस्यानी पत्नि श्री सुनील तुलस्यानी द्वारा आवास का बैचान श्री विजय कुमार लख्यानी पुत्र श्री वाशदेव लख्यानी बजरिये उनके रजिस्टर्ड मुख्त्यार आम श्री वाशदेव लख्यानी पुत्र श्री अशोक कुमार को किया गया। श्री विजय कुमार लख्यानी पुत्र श्री वाशदेव लख्यानी द्वारा आवास का बैचान श्रीमती दीक्षिता पुत्री श्री कमल किशोर बजाज को किया गया। श्रीमती दीक्षिता पुत्री श्री कमल किशोर बजाज द्वारा आवास का बैचान दिनांक 25.11.2021 को श्री नरेन्द्र पुत्र स्व. श्री केशवदास एवं श्री रवि मंगवानी पुत्र स्व. श्री भगवानदास को किया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 2099 में पृष्ठ संख्या 162 क्रम संख्या 202103001105909 पर पंजीबद्ध किया गया तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 5391 के पृष्ठ संख्या 114 से 124 पर दिनांक 25.11.2021 को चस्पा किया गया। पुनः श्री नरेन्द्र पुत्र स्व. श्री केशवदास द्वारा उक्त आवास में स्वयं के आधे हिस्से का बैचान श्री मनीष मंगवानी पुत्र स्व0 श्री भगवानदास मंगवानी को दिनांक 02.09.2024 को किया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 927 में पृष्ठ संख्या 93 क्रम संख्या 202403002109746 पर पंजीबद्ध किया गया तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 3707 के पृष्ठ संख्या 156 से 165 पर दिनांक 02.09.2024 को चस्पा किया गया। श्री रवि मंगवानी एवं श्री मनीष मंगवानी पुत्रगण स्व0 श्री भगवानदास द्वारा नामान्तरण हेतु कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अब श्री रवि मंगवानी एवं श्री मनीष मंगवानी पुत्रगण स्व0 श्री भगवानदास ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री रवि मंगवानी एवं श्री मनीष मंगवानी पुत्रगण स्व0 श्री भगवानदास का नाम मण्डल रिकॉर्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है।

अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी ।

आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड - अजमेर

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

IDFC FIRST Bank

(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

CIN : L65110TN2014PLC097792

पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031

फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुननिर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्नलिखित उधारकर्ताओं और सह-उधारकर्ताओं ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) से नीचे उल्लिखित सुरक्षित ऋण का लाभ उठाया है। नीचे उल्लिखित उधारकर्ताओं और सह-उधारकर्ताओं के ऋण उनकी संबंधित संपत्तियों के बंधक द्वारा सुरक्षित है। चूंकि वे संबंधित ऋण समझौतों के नियमों और शर्तों का पालन करने में विफल रहे है और अनियमित हो गए है, उनके ऋण को आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को उनके द्वारा देय राशि का उल्लेख संबंधित नोटिस के अनुसार किया गया है, जो विशेष रूप से निम्नलिखित तालिका में वर्णित है और उक्त राशि पर आगे ब्याज भी लागू होगा।

क्रमांक	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	धारा 13 (2) नोटिस तिथि	धारा 13 (2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि
1	105518842	संपत्ति पर ऋण	12.03.2025	7,02,874.83/-

उधारकर्ताओं एवं सह-उधारकर्ताओं का नामः 1. धनराज मीना 2. काली दुर्गा

सम्पत्ति पता- ब्लाक पट्टा नं.1, प्लाट एरिया 2805 वर्ग फिट, ग्राम-उगन खेरा, ग्राम पंचायत-सरसटी, पंचायत समिति-केकडी, जिला-अजमेर, राजस्थान-305404 का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है- पूर्व-खुला चौक, पश्चिम-किशन लाल, उत्तर-गोपाल, दक्षिण-आम रास्ता

आपसे कहा जाता है कि आप उपरोक्त तालिका में दर्शाए गए ब्यौरे के अनुसार आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, जिसका आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में विलय हो गया है और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को संबंधित तारीखों से अनुबंधित ब्याज दर और अन्य लागतों, प्रभारों आदि के साथ इस प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर राशि का भुगतान करें, ऐसा न करने पर नीचे हस्ताक्षरकर्ता को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, जिसका आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में विलय हो गया है और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को देय राशि वसूलने के लिए ऊपर उल्लिखित बंधक संपत्तियों के खिलाफ एसएआरएफएईएसआई अधिनियम की धारा 13 (4) और धारा 14 के तहत कार्यवाही शुरू करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आपको उक्त अधिनियम की धारा 13 (13) के तहत उक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों को बिक्री/पट्टे या अन्यथा रूप से स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

एसडी/- प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

दिनांक- 26.03.2025
स्थान- अजमेर

फिरौती मांगने का मामला झूठा निकला

उदयपुर। अपहरण कर लाखों की फिरौती मांगने का प्रकरण दर्ज होने पर किए गए अनुसंधान में मामला झूठा निकला। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित रजा कॉलोनी मल्लातलाई अम्बामाता हॉल माउण्ट व्यू रिट्रीट के पास बडी रोड़ निवासी मोहम्द फारूख ने प्रकरण दर्ज करवाया।

वित्त मंत्रालय MINISTRY OF FINANCE

जीएसटी ब्याज और जुर्माना माफी योजना

केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम की धारा 128क के अंतर्गत प्रारंभ की गयी

कुछ शर्तों के अधीन वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 से सम्बंधित धारा 73 के तहत मांगों से सम्बंधित ब्याज या जुर्माना या दोनों की छूट प्रदान करने हेतु केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम 2017 में धारा 128क को सम्मिलित किया गया।

जीएसटी के प्रारंभिक वर्षों में करदाताओं द्वारा उठाई गई कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम में संशोधन किये गए

- केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम की धारा 73 के अंतर्गत वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 हेतु जारी मांग नोटिस के सम्बन्ध में ब्याज और जुर्माने की माफी प्रदान की गई है

TAX

यदि करदाता नोटिस में मांगी गई सम्पूर्ण कर राशि का भुगतान 31.03.2025 तक कर देता है।

इस योजना के अंतर्गत आवश्यक फॉर्म 30 जून 2025 तक दाखिल किए जाने चाहिए।

यह समय सीमा व्यापारियों को योजना के तहत अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करती है, साथ ही उन्हें भारी ब्याज और जुर्माने के बिना जीएसटी अनुपालन नियमित करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

ब्याज और जुर्माना माफी योजना के साथ अपना अनुपालन सफर सरल बनाएं!

अधिक जानकारी के लिए देखें: सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 128क, अधिसूचना संख्या 20/2024-केंद्रीय कर दिनांक 08.10.2024, एवं परिपत्र संख्या 238/32/2024-जीएसटी दिनांक 15.10.2024।

QR कोड स्कैन करें।

CBIC 15502/13/0012/2425

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड

@cbicindia @cbic_india @cbicindia @CBICINDIA CBIC India

चेन्नई सुपर किंग्स के सपोर्ट स्टाफ ने खुले तौर पर व्यक्त किया है कि वे पहले इसके बहुत बड़े फैंस नहीं थे। इस नियम के कारण 250 रन नहीं बन रहे हैं। **- महेन्द्र सिंह धोनी**

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान, इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विपराज निगम

लखनऊ के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की जीत में आशुतोष शर्मा के अलावा एक और नाम उभरा है, विपराज निगम का। स्पिनर के तौर पर खेल रहे विपराज ने 15 गेंदों 39 रन बनाकर सभी को चौंका दिया। लेकिन, विपराज के लिए ये कोई चौंकाने वाली पारी थी ही नहीं। उनके कोच सरवर नवाब ने बताया कि विपराज पहले बैटिंग ऑलराउंडर ही थे, लेकिन बल्लेबाज के तौर पर अंडर-16 में उनका चयन नहीं हुआ था। अंडर-19 में उन्हें लेग स्पिनर के तौर पर यूपी टीम के लिए चुना गया। इसके बाद नेशनल क्रिकेट अकादमी ने उनके गेंदबाजी के हुनर को पहचाना और कोचिंग दी।

क्या आप जानते हैं ?... एबी डीविलियर्स ने वनडे में सबसे तेज शतक बनाया है। उन्होंने सिर्फ 31 गेंदों में शतक बनाया है, जबकि कोरी एंडरसन ने 36 गेंदों में दूसरा सबसे तेज शतक बनाया है।

जयपुर जिला क्रिकेट संघ : के.एम. रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी आज से

जयपुर, 25 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा जयपुर जिला क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व बीसीसीआई सलेक्टर व राजस्थान क्रिकेट संघ में विभिन्न पदों पर रहे स्व. किशन रूंगटा की स्मृति में पहली बार आयोजित के एम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी का आयोजन कल से के एल सैनी स्टेडियम पर किया जाएगा। प्रतियोगिता में हाल ही खेली गई ए डिविजन लीग के प्रदर्शन के आधार पर 4 टीमें बनाई है। सभी टीमें राउंड रोबिन लीग आधार पर 3 - 3 दिन के 3 मैच खेलेगी। सभी मैच एस जी टेस्ट एलई बॉल्स से खेले जाएंगे। टीमों के नाम टीम के प्रायोजक के नाम से रखे गए है। कल का मैच एस के आई टी इलेवन बनाम एम जे जे ठ्ठाप इलेवन के बीच खेला जाएगा। प्रतियोगिता के 3 मैच के एल सैनी स्टेडियम तथा 3 मैच जयपुरिया ठ्ठाउंड पर खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में प्वाइंट्स टेली में टॉप पर रहने वाली 2 टीमें विजेता व उपविजेता रहेगी।

अक्टूबर में शुरू होगा पीवीएल का चौथा सत्र

नई दिल्ली, 25 मार्च। प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) दो अक्टूबर से शुरु होने वाले चौथे सीजन के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस सत्र के लिख खिलाड़ियों की नीलामी आठ जून को कालीकट में होगी। अपनी जोशीली वॉलीबॉल संस्कृति और खेल के प्रति गहरे प्रेम के लिए जाना जाने वाला कालीकट पीवीएल नीलामी की मेजबानी करने वाला चौथा शहर बन जाएगा। नीलामी के लिए खिलाड़ियों का पंजीकरण आधिकारिक तौर पर एक मई को शुरू होगा और इच्छुक एथलीट 31 मई तक अपना पंजीकरण करा सकेगे। पीवीएल की वापसी पर बेसलाइन वेंचर्स के प्रबंध निदेशक और सह-संस्थापक तुहिन मिश्रा ने कहा, हम प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) को इसके चौथे सीजन के लिए वापस लाने के लिए रोमांचित हैं। पीवीएल ने पिछले कुछ वर्षों में बेहद तरक्की की है और पिछले तीन सीजन की सफलता उल्लेखनीय रही है। हमें उम्मीद है कि पीवीएल सीजन-4 शीर्ष स्तर की प्रतिभा और लगातार बढ़ते प्रशंसक आधार के साथ नई ऊंचाइयों को छुएगा। हमारा लक्ष्य भारत में वॉलीबॉल के खेल को ऊपर उठाना, खिलाड़ियों को एक बेहतरीन मंच और प्रशंसकों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करना है। लीग के कार्यकारी जॉय भट्टाचार्य ने कहा, पीवीएल ने खुद को भारत की सबसे रोमांचक खेल लीग्स में से एक के रूप में स्थापित किया है। सीज़न 4 इसे एक और पायदान ऊपर ले जाने के लिए तैयार है। हर टीम खिताब जीतने के असली मौके के साथ सीजन में प्रवेश करेगी।

स्वीटी बूरा ने कुर्सी पर बैठे दीपक हुड्डा का दबा दिया गला पुलिस थाने में बॉक्सर ने पति के साथ की मारपीट

हिसार, 25 मार्च। बॉक्सर स्वीटी बूरा और उनके पति और बीजेपी नेता दीपक हुड्डा इन दिनों काफी चर्चा में हैं। दोनों के बीच आरोप प्रत्यारोप जारी है, वहीं अब इन दोनों का एक वीडियो वायरल हो रहा है। घटना हरियाणा में हिसार स्थित महिला थाने का बताई जा रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि थाने में पहले दोनों के बीच बहस होती है फिर अचानक स्वीटी अपनी कुर्सी से उठ जाती है और दीपक का गला दबाने लगती है। आस-पास खड़े परिजन बीच-बचाव करते हैं। भारत की राष्ट्रीय कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान दीपक हुड्डा ने पत्नी और बॉक्सर स्वीटी बूरा, उनके पिता महेंद्र सिंह और मामा सत्यवान पर महिला पुलिस थान में उनके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। मारपीट का ये वीडियो 15 मार्च का बताया जा रहा है जो अब सामने आया है। हुड्डा और बूरा के बीच विवाद चल रहा है, जिसमें बूरा ने हुड्डा पर जहां दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया हुआ है, वहीं हुड्डा ने बूरा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। इसी सिलसिले में हिसार महिला पुलिस थाने ने 15 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया था।

मार्शल आर्ट के दिग्गज और तीरंदाजी के प्रमुख कोच शिहान हुसैनी का निधन

चेन्नई, 25 मार्च। जाने-माने मार्शल आर्ट के दिग्गज और तीरंदाजी के प्रमुख कोच शिहान हुसैनी का मंगलवार को निधन हो गया। वह रक्त कैंसर से पीड़ित थे और उनका इलाज चल रहा था। तमिलनाडु सरकार ने 16 मार्च को खेल विकास प्राधिकरण के कोष से उनके इलाज के लिए पांच लाख रुपये की सहायता राशि दी थी।

रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को 11 रनों से हराया

अहमदाबाद 25 मार्च। कप्तान श्रेयस अय्यर (नाबाद 97), शशांक सिंह (नाबाद 44) और प्रियांश आर्य (47) की आतिशी पारियों के बाद आखिरी ओवरों में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के पांचवें मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) को 11 रनों से हरा दिया।

पंजाब किंग्स के 243 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करे हुए पहले विकेट के लिए (61) रन जोड़ा। छठें ओवर में ग्लेन मैक्सवेल ने शुभमन गिल को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। शुभमन गिल ने 14 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुए (33) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जॉस बटलर ने साई सुदर्शन के साथ तेजी के साथ रन बटोरे। 13वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने शतक की ओर बढ़ रहे साई सुदर्शन को बाउंड्री पर शशांक सिंह के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। साई सदर्शन ने 41 गेंदों में पांच चौके और छह छक्के लगाते हुए (74) रन बनाये।

18वें ओवर में मार्कऱ यानसन ने जॉस बटलर को बोल्ड कर गुजरात की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। जॉस बटलर ने 33 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से (54) रन बनाये। 20वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने शरफेन रदरफ़ोर्ड (46) और राहुल तेवतिया (छह) को आउटकर गुजरात की मैच जीतने की उम्मदों को ध्वस्त कर दिया। गुजरात की टीम निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 232 रन ही बना सकी और मुकाबला 11 रनों से हार गई। पंजाब किंग्स की ओर से अर्शदीप सिंह ने दो विकेट लिये, ग्लेन मैक्सवेल और मार्कऱ यानसन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां गुजराज टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय किया। बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर की पहली गेंद पर प्रभसिमरन सिंह (पांच) का विकेट गवां दिया।

मुझे भरोसा था मैच जीता सकता हूं : अभिषेक

विशाखापत्तनम 25 मार्च। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने कहा कि मुझे स्वयं पर भरोसा था कि मैं मैच जीता सकता हूं। मैंने पिछले वर्ष मैच को समाप्त करने को ध्यान में रखते हुए अभ्यास किया था। लखनऊ सुपर जायंट्स को एक विकेट से हराने के बाद दिल्ली कैपिटल्स का हीरो बल्लेबाज आशुतोष ने कहा, मैंने पिछले वर्ष के मैचों से बहुत कुछ सीखा है। तब मैं दो-तीन मैचों में अपनी टीम को जीत के बहुत करीब ले जाता था, लेकिन मैच फिनिसर की भूमिका नहीं निभा पाता था।

मैंने पिछले वर्ष बस इसी पर ध्यान दिया कि मुझे मैच फिनिसर की भूमिका अदा करनी है। घरेलू क्रिकेट के दौरान भी मैंने ऐसा ही किया। उन्होंने कहा, मुझे खुद पर भरोसा है कि अगर मैं अंतिम गेंद तक खेलूंगा तो मैच का पास पलट सकता है। मुझे बस शांत रहना था और मैच को जीत के बहुत करीब ले जाना था। मुझे इस बारे में भी स्पष्ट रहना था कि मुझे कौन से शॉट खेलने हैं। मुझे वही शॉट खेलने थे, जिसका मैंने नेट्स पर अभ्यास किया था।

उल्लेखनीय है कि कल लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ मुकाबले में आशुतोष शर्मा ने ऐसे समय बल्लेबाजी करने आये जब दिल्ली कैपिटल्स की टीम 113 रन पर अपने छह विकेट गवांकर संघर्ष कर रही थी। ऐसे समय में उन्होंने विपराज निगम के साथ पारी को संभाला और टीम को जीत की दहलीज की ओर ले गये। आशुतोष शर्मा ने 31 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के लगाते हुए (नाबाद 66) रनों की मैच विजयी पारी खेली।

विमेंस वर्ल्ड कप का फाइनल मोहाली में होगा

इंदौर, रायपुर समेत 5 वेन्यू को मेजबानी, 29 सितंबर से शुरू हो सकता है टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 25 मार्च। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल मोहाली के मुल्लांपुर स्टेडियम में होगा। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट अनुसार, भारत में होने वाला टूर्नामेंट 29 सितंबर से शुरू हो सकता है। मुल्लांपुर के अलावा इंदौर, रायपुर, विशाखापट्टनम और तिरुवनंतपुरम में भी 8 टीमों के मैच खेले जाएंगे।

मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में अब तक इंटरनेशनल मैच नहीं हुआ है। यह वेन्यू में पंजाब किंग्स टीम का होमठाउंड है, जिसका उद्घाटन पिछले साल ही हुआ था। वेन्यू मोहाली शहर से कुछ किलोमीटर दूर बना है।

5 में से 4 वेन्यू पर विमेंस मैच नहीं हुए मुल्लांपुर, तिरुवनंतपुरम और रायपुर ने अब तक विमेंस इंटरनेशनल मैच की मेजबानी नहीं की है। इंदौर के नेहरू स्टेडियम में 2 विमेंस मैच हुए हैं, जिनमें से एक 1997 के वर्ल्ड कप में भी हुआ था। हालांकि, इस बार के वर्ल्ड कप मैच

होलकर स्टेडियम में हो सकते हैं।

विशाखापट्टनम का यह ही ऐसा इकलौता स्टेडियम है, जिसने विमेंस इंटरनेशनल मैच की होस्टिंग की है। यहां 5 वनडे और 6 टी-20 खेले जा चुके हैं। हालांकि, यहां भी आखिरी मैच 2014 में खेला गया था।

पाकिस्तान की वजह से बदलने पड़ सकते हैं वेन्यू वनडे वर्ल्ड कप में 8 टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान भारत समेत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और श्रीलंका ने क्वालिफाई कर लिया है। वहीं 2 जगह के लिए 9 अप्रैल से पाकिस्तान में क्वालिफायर मुकाबले खेले जाने हैं। क्वालिफायर स्टेज में पाकिस्तान के अलावा वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, आयरलैंड, थाईलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें भी क्वालिफायर में हिस्सा लेंगी। इनमें से टॉप-2 टीमें ही टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगी। अगर पाकिस्तान ने क्वालिफाई किया तो टीम के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर रखने होंगे। इसके लिए श्रीलंका और दावेदार हैं।

न्यूट्रल वेन्यू पर क्यों खेलेगा पाकिस्तान? पाकिस्तान के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर इसलिए होंगे, क्योंकि ने अपनी पिछली मीटिंग में यह फैसला किया था। ने तय किया था कि भारत और पाकिस्तान में जो भी टूर्नामेंट होंगे, वहां दोनों टीमें न्यूट्रल वेन्यू पर ही भिड़ेंगी। साथ ही मेहमान टीम के सभी मैच भी न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएंगे। इसी कारण भारत ने पाकिस्तान की मेजबानी में हुई चैंपियंस ट्रॉफी के सभी मैच में खेले थे।

जेजेपीएल 2025 अंडर : आर्म क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन

जयपुर, 25 मार्च। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) जयपुर चैप्टर की ओर से जेजेपीएल 2025 अंडर-आर्म क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन एसजे पब्लिक स्कूल में हुआ। जीतो जयपुर चैप्टर की चेयरपर्सन सलोनी जैन ने बताया कि इस टूर्नामेंट में 38 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में जीतो की जागरूकता बढ़ाना और खेलों के माध्यम से आपसी सहयोग को मजबूत करना था। रोमांचक मुकाबलों से सजी क्रिकेट प्रतियोगिता इस टूर्नामेंट के दौरान कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। साथ ही लाइव फूड स्टॉल्स ने आयोजन को और भी अधिक मनोरंजक बना दिया। इस प्रतियोगिता में विजेता टीमों में बिलो 40 कैटेगरी में पावर हीटर्स और उपविजेता पिंकसिटी लेपर्ड्स रहे। वही एबव 40 कैटेगरी में विजेता स्कॉर्पियो बाय बसरा और उपविजेता राजन एंड श्रेयांस टीम रही।

संस्कार क्रिकेट एकेडमी की एकतरफा जीत

जयपुर, 25 मार्च। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज संस्कार क्रिकेट ठ्ठाउण्ड पर खेले गये पूल-सी के मैच में संस्कार क्रिकेट एकेडमी ने आर्यमन कटारिया 52 रन की अद्धर्शतकीय पारी तथा अभिषेक यादव 4 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की मदद से एम.आर.एम. क्रिकेट एकेडमी को 130 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

संस्कार क्रिकेट एकेडमी ने टोस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये आर्यमन कटारिया 52 रन (26 गेंद 11 चौक), आरव कुमार 47 रन, आदित्य झाला 42 रन, दिव्यांशु गौर 38 रन नाबाद की मदद से निर्धारित 20 ओवर 7 विकेट खोकर 219 रन बनायें गेंद बाजी में एम.आर.एम. ऐकडमी की ओर से विनय मंद्राल, अर्पित कुमार, पीयुष शर्मा, जयन्त सोनी प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में 220 रन के लक्ष्य को लेकर खेलने उतरी एम आर एम. क्रिकेट एकेडमी के बल्लेबानों में विनय मंद्राल 34 रन व हर्षित कुमार 10 रन को छोड़कर अन्य कोई भी बल्लेबाज संस्कार क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों अभिषेक यादव 4 ओवर 2 मेडन 4 रन 3 विकेट राज्यवर्धन लाम्बा 23 रन पर 2 विकेट तथा ऐजाज 17 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी के समक्ष खुलकर बल्लेबाजी नहीं कर सके और निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 89 रन ही बना सकी और 130 रन से मैच गवा दिया। इस प्रतियोगिता का अगला मैच गुरुवार 27 को होगा। मैन ऑफ दा मैच अभिषेक यादव (4 ओवर 2 मेडेन 4 रन 3 विकेट) सस्कार क्रिकेट एकेडमी रहे।

नॉट आउट थे ग्लेन मैक्सवेल, श्रेयस अय्यर से हुई गलती, दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

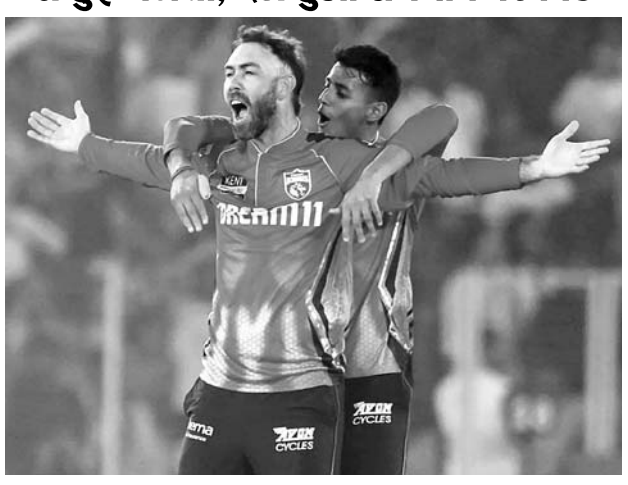

नई दिल्ली, 25 मार्च। ग्लेन मैक्सवेल की आईपीएल 2025 में शुरुआत अच्छी नहीं हुई है। पंजाब किंग्स के पहले मैच में वह गोल्डन डक आउट हुए। उन्हें गुजरात टाइटंस के स्पिन गेंदबाज साई किशोर ने एलबीडबल्यू आउट किया। हालांकि, अगर वह डीआरएस ले लेते तो बचा जाते, क्योंकि वह नॉट आउट थे। वहीं दूरी छोर पर खड़े कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी मैक्सवेल को रिव्यू के लिए नहीं कहा, जबकि मैक्सवेल ने जाते हुए उनसे इस बारे में बात की थी।अज़मतुल्लाह ओमरज़ई के आउट होने के बाद ग्लेन मैक्सवेल क्रीज पर आए थे। 10 ओवर की चौथी गेंद पर साई किशोर ने मैक्सवेल को आउट कर लगातार 2 गेंदों में 2 विकेट चटकाए। इस गेंद को मैक्सवेल समझ नहीं पाए और गेंद सीधा पैड पर जाकर लगी। अपील हुई तो अंपायर ने आउट करार दिया। मैक्सवेल पवेलियन लौटते हुए श्रेयस अय्यर से बात करने के लिए रुके, पूछा और फैसला हुआ कि रिव्यू ना लिया जाए। हालांकि, बाद में स्क्रीन पर दिखा कि गेंद विकेट को मिस करती हुई ऊपर से जा रही थी यानी अगर डीआरएस लिया जाता तो मैक्सवेल नॉट आउट रहते। ग्लेन मैक्सवेल के नाम आईपीएल में शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया। वह आईपीएल में सबसे ज्यादा बार जीरो पर आउट होने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वह कुल 19 बार जीरो पर आउट हुए हैं। मुंबई इंडियंस के प्लेयर रोहित शर्मा और पूर्व आरसीबी प्लेयर दिनेश कार्तिक इस लिस्ट में क्रमश दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग : ओडिशा, महाराष्ट्र और बंगाल ने जीत दर्ज की

रांची, 25 मार्च। राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग के अंतिम चरण के छठे दिन मंगलवार को हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, महाराष्ट्र और बंगाल ने अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। आज यहां खेले गये पहले मैच में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने पूल ए में मिजोरम को 1-1 (शूटआउट में 2-0) से हराया। संजना किरो ने (पांचवें) मिनट में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा के लिए पहले क्वार्टर में गोल करके स्कोरबोर्ड पर खाता खोला। दूसरी ओर मिजोरम के लालतलांचुंगी ने (55वें) मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया।

टूटेगा गाबा क्रिकेट स्टेडियम : यहां भारत ने 32 साल से अजेय ऑस्ट्रेलिया को हराया था

ब्रिस्बेन, 25 मार्च। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन स्थित गाबा का ऐतिहासिक मैदान 2032 के ओलिंपिक गेम्स के बाद ढहा दिया जाएगा। यह वही मैदान है, जहां भारतीय टीम ने 2021 में 32 साल से अजेय ऑस्ट्रेलिया को हराया था। गाबा क्रिकेट स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का गढ़ कहा जाता है। क्वींसलैंड स्टेट के प्रधानमंत्री डेविड क्रिस फुल्ली ने मंगलवार को ओलिंपिक के बुनियादी ढांचे के लिए नई योजनाओं की घोषणा की। इसके अनुसार, गाबा में होने वाला क्रिकेट ब्रिस्बेन के 60 हजार दर्शक क्षमता वाले विक्टोरिया पार्क में शिफ्ट किया

जाएगा। जहां करीब 3.8 बिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की लागत से नया स्टेडियम बनने जा रहा है। इसी स्टेडियम में ओलिंपिक गेम्स के मुकाबले होंगे। पिछले साल सिर्फ एशेज की मेजबानी मिली थी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल अपने 7 साल के इंटरनेशनल वेन्यू का ऐलान किया था। तब गाबा को एशेज सीरीज के मैचों की मेजबानी दी गई थी।

तब अनुमान लगाया गया था कि इस मैदान का रिनोवेशन किया जाएगा या इसे बदल दिया जाएषभ पंत ने दूसरी पारी में 89 रनों की नाबाद पारी खेली थी, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था। उनसे पहले शुभमन गिल (91) और चेतेश्वर पुजारा ने भी इस पारी में शानदार बल्लेबाजी की थी। इस ऐतिहासिक मैच को भारत ने अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में जीता था।

लखनऊ सुपर जायंट्स के धाकड़ गेंदबाज आवेश खान फिट

नई दिल्ली, 25 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स से हारकर सीजन की शुरुआत करने वाली लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए अच्छी खबर है। तेज गेंदबाज आवेश खान को बीसीसीआई की मेडकिल टीम ने आईपीएल 2025 में हिस्सा लेने की मंजूरी दे दी है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार दाहिने घुटने की समस्या से जूझ रहे आवेश को इस हफ्ते बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ से मंजूरी मिल गई है। वह जल्द ही एलएसजी टीम से जुड़ जाएंगे।

आवेश ने जनवरी के आखिर से कोई मैच नहीं खेला है। भारत के लिए उन्होंने पिछले साल नवंबर में साउथ अफ्रीका में टी20 मैच खेला था। आवेश खान रणजी ट्रॉफी के मध्य प्रदेश के अंतिम लीग मैच में भी नहीं खेल पाए थे। ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें अपने दाहिने घुटने में तकलीफ हो रही थी, जो घरेलू सत्र के दौरान उनके वर्कलोड से संबंधित थी। वह बेंगलुरु स्थिति

बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे थे, जहां सोमवार को उनके फाइनल फिटनेस टेस्ट हुआ। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार ये पता नहीं चला है कि आवेश कब एलएसजी टीम के साथ जुड़ेंगे।

टोक्यो पैरालंपियन आकाश ने निशानेबाजी थ्रिलर में बाजी मारी

नई दिल्ली, 25 मार्च। उत्तर प्रदेश के आकाश ने मंगलवार को पेरिस 2024 पैरालंपियन राजस्थान के रुद्रांश खंडेलवाल से आगे निकलकर मिश्रित 50 मीटर पिस्टल एसएच1 श्रेणी में खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 का स्वर्ण पदक जीता। खेलो इंडिया पैरा गेम्स निशानेबाजी प्रतियोगिता का समापन राजस्थान के नौ पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहने के साथ हुआ। इसमें चार स्वर्ण और दो रजत शामिल हैं। उत्तर प्रदेश (दो स्वर्ण के साथ चार पदक) और महाराष्ट्र (दो स्वर्ण के साथ तीन पदक) शूटिंग स्टैंडिंग में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। खेलो इंडिया पैरा गेम्स के इस संस्करण में प्रतियोगिता के दो दिन शेष रहने के साथ, मंगलवार को छठे दिन के अंत तक 166 स्वर्ण पदक तय हो चुके हैं। हरियाणा (30 स्वर्ण के साथ 95 पदक) ने दूसरे नंबर पर स्थित तमिलनाडु (25 स्वर्ण के साथ 67) और उत्तर प्रदेश (22 स्वर्ण के साथ 54 पदक) पर अच्छी बढ़त बना रखी है।

राजधानी

देश में एक साथ चुनाव से देश का होगा विकास : सुनील बंसल

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने मंगलवार को जयपुर में एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान को लेकर युवा, छात्र एवं नवमतदाता संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। जेएलएन मार्ग स्थित पंचायती राज संस्थान के सभागार में आयोजित संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बंसल ने कहा कि देश में एक साथ चुनाव होते है तो देश में राजनीति कम होगी और देश का विकास ज्यादा होगा। दीर्घकालीन सरकारों पर केवल विकास का ही दबाव होगा, युवाओं को अधिक अवसर मिलेंगे और देश में परिवारवाद को बढ़ावा देने वाली पार्टियों को नुकसान होगा। इतना ही नहीं, राजनीतिक वैमनस्यता कम होगी और वर्क परफॉर्मेंस की पॉलिटिक्स को बढ़ावा मिलेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने की दिशा में यह कदम मील का पत्थर साबित होगा।

बंसल ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सर्वोपरि होता है, लेकिन पिछले 30 सालों से लगातार हर साल चुनाव प्रक्रिया चलने से देश के मतदाता में कहीं ना कहीं निरसता आई है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि करीबन 40 प्रतिशत लोग मतदान ही नहीं कर रहे लेकिन एक साथ लोकसभा, राज्य विधानसभा चुनाव कराने और इसी दौरान 100 दिनों में अन्य निकायों के चुनाव संपन्न कराने से मतदाता की निरसता भी दूर होगी और एक स्वस्थ एवं मजबूत लोकतंत्र की ओर देश बढ़ेगा। वहीं दूसरी ओर बार बार चुनाव कराने से आर्थिक बोझ भी देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा नई व्यवस्था नहीं है। संविधान को अंगीकार किए जाने के बाद, 1951 से 1967 तक लोकसभा और सभी राज्य

विधानसभाओं के चुनाव एक साथ आयोजित किए गए थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने युवा, छात्र एवं नव मतदाता संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक राष्ट्र एक चुनाव महत्वपूर्ण कदम है। देश की समृद्धि के लिए, देश के विकास के लिए और व्यर्थ के खर्चे से बचने के लिए हम सभी को एक मुखी होकर इस जन जागृति अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। देश के विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से संयुक्त संसदीय कमेटी के सामने एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन में प्रस्ताव जाना चाहिए। यह अभियान सर्वव्यापी अभियान बनाना चाहिए। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र एक राष्ट्र एक चुनाव की दिशा में कार्य कर रहे है, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी एक राज्य, एक चुनाव की अवधारणा पर कार्य कर रहे है।

एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान के प्रदेश संयोजक सुनील भार्गव ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी। भार्गव ने कहा कि देश में अब तक का सबसे महत्वपूर्ण संशोधन 129वां विधेयक है। इस विधेयक के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक राष्ट्र एक चुनाव करवाने के पक्ष में है लेकिन सांसदों की मांग पर इस विधेयक को जेपीसी में भेजा गया, जहां पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक साथ चुनाव कराने संबंधी उच्च स्तरीय समिति बनाई गई थी। इस समिति ने बताया कि एक साथ चुनाव कराने से सरकार का ध्यान विकासात्मक गतिविधियों और जन कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नीतियों के कार्यान्वयन पर केंद्रित होगा।

संवाद कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, नाहर सिंह जोधा, मुकेश दाधीच, प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, विधायक कल्पना देवी, भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, जयपुर देहात जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर सहित भाजपा के पदाधिकारी, मोर्चा, विभाग और प्रकोष्ठ के संयोजक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, युवा और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास से देश-विदेश में मनाएं राजस्थान दिवस : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानियों से देश और विदेश में राजस्थान दिवस चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (30 मार्च) को हर्ष और उल्लास से मनाने का आह्वान किया है।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थानी उद्यमियों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमने सनातन संस्कृति को सम्मान देते हुए इस बार से राजस्थान दिवस अंग्रेजी कलैण्डर के स्थान पर भारतीय पंचाग की तिथि नव संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाने का निर्णय किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकारराजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर सप्ताहभर (25 से 31 मार्च) प्रदेश में कई आयोजन कर विभिन्न वर्गों को सौगात दे रही है। इसी क्रम में राजस्थान दिवस पर देवस्थान विभाग के अधीन मंदिरों में विशेष आरती का आयोजन भी किया जाएगा।उन्होंने उद्यमियों से प्रवासी राजस्थानियों के साथ सामंजस्य स्थापित कर देश के अन्य राज्यों एवं विदेश के कई शहरों में राजस्थान दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया।

बैठक में उद्यमियों ने राजस्थान दिवस के संबंध में मुख्यमंत्री को सुझाव प्रस्तुत किए और उन्हें वृहद् स्तर पर इस तरह का ऐतिहासिकआयोजन करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता, राजस्थान फाउंडेशन आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा सहित संबंधित अधिकारी एवं राजस्थानी उद्यमी उपस्थित रहे।

राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला- बाड़मेर में राज्यस्तरीय महिला सम्मेलन

मु.मंत्री भजनलाल ने कहा, नारी का सम्मान समाज और देश-प्रदेश के विकास की पहली सीढ़ी

बाड़मेर/जयपुर, 25 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे देश और प्रदेश का इतिहास वीरता और त्याग से भरा हुआ है। कालीबाई भील, रानी पद्मिनी, मीराबाई, पन्ना धाय और अमृता देवी जैसी महान महिलाओं ने अपनी शक्ति, सामर्थ्य और दृढ़ संकल्प का परिचय देकर अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। शर्मा मंगलवार को बाड़मेर के आदर्श स्टेडियम में राजस्थान दिवस समारोह के तहत आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि गौरवशाली सनातन संस्कृति को सम्मान देते हुए, इस बार राजस्थान दिवस अंग्रेजी कलैण्डर के स्थान पर भारतीय पंचाग की तिथि नव संवत, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (30 मार्च) को मनाया जा रहा है। इसी दिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने रियासतों को मिलाते हुए राजस्थान की स्थापना की थी। इस वर्ष भी रेवती नक्षत्र इंद्रयोग का वही संयोग बन रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी को नारायणी का दर्जा प्राप्त है। नारी का सम्मान समाज और देश-प्रदेश के विकास की पहली सीढ़ी है, इसीलिए राजस्थान दिवस समारोह का पहला कार्यक्रम हमने मातृशक्ति को समर्पित किया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने महिला सम्मेलन में विभिन्न योजनाओं की चयनित लाभार्थियों से संवाद किया तथा महिला समूहों को लगभग 100 करोड़ रुपये की आजीविका संवर्धन निधि का हस्तान्तरण और 5 हजार महिलाओं को इंडक्शन कुक टॉप का वितरण किया। साथ ही, उन्होंने स्वामी विवेकानन्द स्कॉलरशिप फॉर अकैडमिक एक्सलैंस के अंतर्गत, 164 छात्राओं को चयन पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि आज 5 हजार स्कूटी एवं प्रोत्साहन राशि का वितरण किया गया है। शर्मा ने कहा कि किशनगढ़ में फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल के माध्यम से प्रदेश की बेटियों को पायलट बनाया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवा एवं महिलाओं को सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराने की दृष्टि से निरंतर भर्तियां आयोजित कर रही है। इस बजट में भी हमने सवा लाख भर्तियों की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भर्तियों का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता के साथ कर रही है और हमारे एक साल के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के समय में एक के बाद एक पेपरलीक हुए और युवाओं के सपनों के साथ विश्वासघात हुआ।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजा जा रहा है।

समारोह में पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग राज्यमंत्री के.के. बिश्नोई, विधायक श्रीचंद कृपलानी, आदूराम मेघवाल, हमीर सिंह, प्रियंका चौधरी, अरूण चौधरी, छोटूसिंह भाटी, प्रतापपुरी, रविन्द्र सिंह भाटी, प्रभारी सचिव सुबीर कुमार, महिला एवं बाल विकास विभाग शासन सचिव डॉ. महेन्द्र सोनी सहित, बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान दिवस समारोह के शुभारंभ पर बाड़मेर में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने बालिकाओं को 5 हजार स्कूटी वितरित की।

- **मुख्यमंत्री ने बाड़मेर के आदर्श स्टेडियम में राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित किया और महिला कल्याण की विभिन्न योजनाओं में चयनित लाभार्थियों से बात की।**

दिल्ली का एक लाख करोड़ रु. का बजट पेश

नयी दिल्ली, 25 मार्च। दिल्ली सरकार ने महिला समृद्धि योजना के लिए राशि आवंटित करने, बसों में महिलाओं को मुफ्त सफर करने की योजना को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए कार्ड जारी करने, जैसी कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा करते हुए, मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जिसमें 5100 करोड़ रुपये की राशि महिला समृद्धि योजना के लिए निर्धारित की गयी है।

यह पहला मौका है, जब दिल्ली विधानसभा में एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया है। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से शुरू हुआ था और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने 27 साल बाद मंगलवार को अपना पहला बजट पेश किया। मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री रेखा गुप्ता जब विधानसभा में बजट पेश करने के लिए खड़ी हुयीं, तो भाजपा विधायकों ने मेजें थपथपा कर उनका अभिवादन किया और मोदी-मोदी के नारे लगाए। गुप्ता ने दो घंटा 18 मिनट तक बजट भाषण दिया, जो दिल्ली विधानसभा के इतिहास में अब तक का सबसे लंबा बजट भाषण है।

- **यह पहला मौका है जब इतना बड़ा बजट पेश हुआ है।**

जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की जांच शुरु

सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय आन्तरिक समिति ने उस कमरे की जांच की जहां आग लगने के बाद नकदी मिलने की खबर है

नयी दिल्ली, 25 मार्च। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास पर भारी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में उच्चतम न्यायालय की ओर से नियुक्त न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय आंतरिक समिति ने मंगलवार को जांच शुरू कर दी। सूत्रों ने बताया कि तीनों न्यायाधीश दोपहर करीब एक बजे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में न्यायमूर्ति वर्मा के 30, तुगलक-क्रीसेंट स्थित आधिकारिक आवास पर पहुंचे। वे करीब 45 मिनट तक न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास के अंदर रहे और उन्होंने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया।

समिति के सदस्यों में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी एस संधावालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायाधीश अनु शिवरामन शामिल हैं।

सूत्रों ने बताया कि उन सदस्यों ने उस कमरे की जांच की, जहां आग लगने के बाद कथित तौर पर नकदी मिली था।

हालांकि, न्यायमूर्ति वर्मा ने अपने खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों का जोरदार खंडन किया। अपने जवाब में उन्होंने पहले दावा किया था कि जिस कमरे में आग लगी थी और जहाँ कथित तौर पर नकदी मिली थी, वह एक आउटहाउस था, न कि मुख्य इमारत, जहाँ न्यायाधीश और उनका परिवार रहता है।

उन्होंने अपने जवाब में कहा, मैं स्पष्ट रूप से कहता हूँ कि मेरे या मेरे परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा उस स्टोररूम में कभी भी कोई नकदी नहीं रखी गई थी और मैं इस बात की कड़ी निंदा करता हूँ कि कथित नकदी हमारी थी। यह विचार या सुझाव कि यह नकदी हमारे द्वारा रखी या संग्रहित की गई थी, पूरी तरह से बेतुका है।

धनखड़ ने ''जुडीशियरी'' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। धनखड़, पिछले कुछ समय में, न्यायपालिका एवं कोलिजियम व्यवस्था के खिलाफ बोलते आ रहे हैं।

यह किसी से छिपा नहीं है कि मोदी सरकार जब से सत्ता में आई है, तभी से, 2014 से ही, वह स्वतंत्र न्यायपालिका के पर कतरने का हर संभव प्रयास करती आ रही है।

जस्टिस वर्मा के निवास पर कथित रुप से बड़ी मात्रा में करेन्सी नोट मिलने की दुर्योगपूर्ण घटी घटना ने कई सवाल खड़े किये हैं, लेकिन इस घटना से सत्तारुढ़ पार्टी को न्यायपालिका पर नियंत्रण रखने के प्रयासों के नवीनीकरण का सुअवसर निश्चित रुप से मिल गया है।

सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रदीप माथुर ने कहा कि न्यायपालिका में उच्चस्तरीय भ्रष्टाचार से किसी को इनकार नहीं है, लेकिन राजनैतिक तंत्र भी, अगर उससे ज्यादा नहीं, तो उससे कम भ्रष्ट नहीं है।

क्या भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोनों दलों के समर्थकों को 2026 में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। अभिनेता विजय के राजनीति में प्रवेश को ध्यान में रखना होगा, अभी वे नए हैं और वे किसे नुकसान पहुंचाएंगे, यह देखना अभी बाकी है।

वन रक्षक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सारण ने वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 13 नवम्बर 2022 का सॉल्वड पेपर को परीक्षा से पूर्व पढ़ने के लिए अपनी ईनोवा कार में 7 कैंडीडेट व पेपर हैंडलर को अपने ड्राइवर के साथ बाड़मेर से प्राइवेट बस स्टैण्ड उदयपुर भेजा था। जहां से आरोपित कंवराराम जाट वांछित आरोपित जबराराम जाट के कहने पर, अभ्यर्थियों ने आरोपित सांवलाराम जाट के किराए के मकान उदयपुर ले गया। सभी कैंडीडेटों को उनकी पारी के अनुसार वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 का सॉल्वड पेपर पढ़ाए गए, जो कंवराराम ने दिए थे।

जस्टिस वर्मा के इलाहाबाद हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जले होने का वीडियो सामने आया। उसके बाद 20 मार्च को न्यायाधीश वर्मा का स्थानांतरण इलाहाबाद उच्च न्यायालय करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

उच्चतम न्यायालय कोलीजियम द्वारा न्यायामूर्ति यशवंत वर्मा का इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरण के प्रस्ताव के खिलाफ बार एसोसिएशन द्वारा सोमवार को जनरल हाउस (आमसभा) बुलाकर महाभियोग लाने की मांग का प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही, न्यायाधीश के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई जांच कराने का प्रस्ताव पास किया गया। प्रस्ताव को उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को भेजा जाएगा।

जनरल हाउस में प्रस्ताव पारित किया गया कि बार एसोसिएशन न्यायमूर्ति वर्मा का कहीं भी तबादला करने का विरोध करती है। प्रस्ताव कहता है कि न्यायमूर्ति वर्मा ने जो फैसले इलाहाबाद उच्च न्यायालय या दिल्ली उच्च न्यायालय में सुनाए हैं, उन पर पुनर्विचार किया जाए।

बैठक में यह भी मांग की गई कि जांच पूरी होने तक न्यायाधीश वर्मा का किसी भी दूसरे उच्च न्यायालय में स्थानांतरण नहीं किया जाए, साथ ही जजों की नियुक्ति में "अंकल जज सिंड्रोम" (भाई भतीजावाद और पक्षपात) खत्म किया जाए, न्यायाधीश के परिवार और रिश्तेदारों से संबंधित न्यायाधीशों का स्थानांतरण दूसरे उच्च न्यायालयों में किया जाए। बैठक में अधिवक्ताओं ने कहा कि ऐसे न्यायाधीशों को न्याय के मंदिर में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। इससे न्याय की पारदर्शिता प्रभावित होती है।

पटवारी भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए दोनों को निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान इनका मुख्यालय उपखंड अधिकारी कार्यालय, पिंडवाडा रहेगा और नियमानुसार निर्वाह भत्ता देय होगा। अब तक 86 राज्यकर्मियों को सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है, जबकि 189 अन्य कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच जारी है। जैसे-जैसे जांच पूरी हो रही है, आरोपी कर्मचारियों को पदों से हटाया जा रहा है।

भाजपा ईद पर देगी सौगात...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कमाल बाबर , बबलू मंसूरी। फहीम सैफी, नईम सैफी, फैसल मंसूरी , सहित बड़ी संख्या में मोर्चे के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

इस मौक़े पर मोर्चे के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी ने संवाददाताओं से कहा कि मोदी के सफल नेतृत्व में भारत सबका साथ सबका विश्वास और सबका विकास की रणनीति पर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि मोर्चे के 32 हज़ार पदाधिकारी 32 हज़ार मस्जिदों से सम्पर्क कर 32 लाख जरूरतमंदों को " सौग़ात - ए - मोदी " किट के माध्यम से उपहार स्वरूप ज़रूरत की चीजें पहुंचाएंगे। किट में खाद्य सामग्री के अलावा कपड़े, सेवईं, खजूर, मेवे और चीनी शामिल होंगे। महिलाओं के लिए किट में सलवार-सूट का कपड़ा होगा, जबकि पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा शामिल है।

भाजपा का यह अभियान गरीब और जरूरतमंद मुस्लिम परिवारों को सहायता प्रदान करने के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बढ़ ाने का भी एक प्रयास माना जा रहा है। प्रत्येक पदाधिकारी एक मस्जिद से मस्जिद कमेटी के सहयोग से 100 ज़रूरतमंद व्यक्तियों को चिह्नित करके उन तक " सौग़ात - ए - मोदी " किट उपहार स्वरूप पहुंचाने का काम करेंगे ।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908